आज का विचार

यदि लक्ष्य सर्वोपरि है तो फिर आलोचना, विवेचना और प्रशंसा कोई मायने नहीं रखती।

अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-102 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

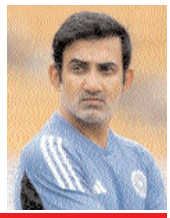

अनेरा खदान में अधिकारी से मारपीट पुलिस ने सामान्य धाराओं में दर्ज किया केस

रायपुर, शनिवार 14 जून , 2025

इंग्लैंड सीरीज से पहले भारत को लगा बड़ा झटका, टीम इंडिया को छोड़कर वापस लौटे गौतम गंभीर

पहला कॉलम

अहमदाबाद प्लेन क्रै श ने दिलाई 'पटना प्लेन हादसे की याद'

0-कटी पतंग की तरह गिरा था विमान, लग गया था लाशों का ढेर

अहमदाबाद, 13 जून। विमान में 242 यात्री सवार थे। इस विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की भी जान चली गई। इस हादसे में केवल एक यात्री जिंदा बचा है। वहीं, इस हादसे से राजधानी पटना में 25 साल पहले हुए विमान हादसे की यादें भी ताजा हो गई। तब अलायंस एयर बोइंग 737-2एबी विमान हादसे का शिकार हो गया था। विमान कटी पतंग की तरह पटना के गर्दनीबाग में जमीन पर आ गिरा था। उस दौरान हादसे में 66 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

राजधानी पटना में 17 जुलाई 2000 का दिन इतिहास के पन्नों में एक डरावने अध्याय के रूप में दर्ज है। दरअसल, उसी दिन कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने एलायंस एयर का विमान पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग के पहले गर्दनीबाग में गिर गया था। दुर्घटना में विमान में सवार 56 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों समेत गर्दनीबाग स्थित सरकारी आवास के पांच लोगों की जाने चली गई थी। पटना में धमाके की आवाज से लोगों की नींद खुली थी। आवासीय कॉलोनी में लोगों की चीख पुकार और अफ रातफ री का माहौल बना था।

कुछ अलग

अहमदाबाद विमान हादसे में पीड़ित परिवारों को मिल सकता है 1.5 करोड़ रुपए का मुआवजा

अहमदाबाद 13 जून । एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 (बोइंग 787,वीटी-एएनबी) बीते दिन अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस फ्लाइट में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई। वहीं विमान मेघानी नगर में स्थित मेडिकल कॉलेज की एक बिल्डिंग पर जा गिरा, जिससे कई एमबीबीएस स्टूडेंट्स की भी जान चली गई। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अपनों को खोने वाले पीड़ित परिवारों को अब करोड़ों का मुआवजा दिया जाएगा। एअर इंडिया की पेरेंट कंपनी टाटा पर इसका कोई वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं बीमा कंपनियों को न सिर्फ विमान बल्कि विमान में सवार यात्रियों को भी मुआवजा देना होगा।

मॉन्ट्रियल कन्वेंशन संधि के अनुसार, एअर इंडिया को विमान दुर्घटना के पीड़ितों के परिजनों को लगभग 1.5 करोड़ रुपए का मुआवजा देना होगा। एअर इंडिया को भी दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान के बदले बीमा कंपनियों से मुआवजा मिलेगा। एअर इंडिया जल्द ही पीड़ित परिवारों के लिए अंतरिम मुआवजे की घोषणा कर सकता है। पीड़ित परिवारों को मिलेंगे 360 करोड़ रुपए अनुमान के अनुसार, अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को तकरीबन 360 करोड़ रुपए मिलेंगे।

खरी-खरी

हादसे वाली जगह से AI-171 का ब्लैक बॉक्स बरामद, अब खुलेगा राज

◆ उड़ान भरते ही आग का गोला बना बोइंग ड्रीमलाइनर विमान ◆ चालक दल समेत २४१ यात्रियों की मौत की पुष्टि की गई ◆ मेडिकल कॉलेज परिसर में गिरा विमान, २० छात्रों की भी जान गई

अहमदाबाद । अहमदाबाद विमान हादसे के बाद सब तरफ मातम पसरा है। एयर इंडिया के विमान ने गुरुवार दोपहर अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। चंद सेकंड में यह क्रैश हो गया और आग का गोला बन गया। **विमान में सवार २४२ में से २४१ यात्रियों और चालक दल** के सदस्यों की मौत हुई है। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं। चमत्कारिक रूप से एक यात्री विश्वास कुमार रमेश की जान बची है। वे सीट ११ए पर बैठे थे, विमान गिरने से पहले कूद गए। मरने वालों में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के करीब २० छात्र भी शामिल हैं।

छत पर मिला ब्लैक बॉक्स

दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच से पता चलेगा है कि आखिर हादसा कैसे हुआ। हादसे वाली जगह पर खोजबीन के बाद छत से विमान का ब्लैक बॉक्स मिल गया है

पीएम मोदी की अहमदाबाद दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह नई दिल्ली से अहमदाबाद पहुंचे। घटनास्थल का दौरा करने के बाद घायलों से मिलने अस्पताल गए। हादसे में जीवित बचे एक मात्र यात्री विश्वास कुमार से भी मिले। इसके बाद एयरपोर्ट पर ही अधिकारियों के साथ एक बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। वहीं, विजय रूपाणी की बेटी और पत्नी भी लंदन से अहमदाबाद पहुंच गए हैं। रूपाणी का बेटा अमेरिका से लौट रहा है। डीएनए जांच के बाद रूपाणी के शरीर के अवशेष परिवार को सौंपे जाएंगे। एयर इंडिया ने फ्लाइट AI१७१ पर सवार यात्रियों के परिवारों और प्रियजनों की सहायता करने के लिए अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और गैटविक एयरपोर्ट पर सहायता केंद्र स्थापित किए हैं।

ग्वालियर के मेडिकल छात्र आर्यन ने भी गंवाई जान

ग्वालियर के जिगसौली गांव के रामहेत सिंह किरार का बेटा आर्यन सिंह किरार अहमदाबाद में मेडिकल स्टूडेंट था। प्लेन गिरने से उसकी भी मौत हुई। आर्यन का एक बड़ा भाई है।

गांव के लोगों के अनुसार, परिवार गुरुवार को ही आर्यन का शव लेने रवाना हो गया। इस बुरी खबर के बाद से ही स्वजन का बुरा हाल है। पिता रामहेत खेती-बाड़ी करते हैं। आर्यन लगभग दो साल से अहमदाबाद में था।

लकी नंबर के दिए निधन की खबर

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के बड़े नेता विजय रूपाणी का भी निधन हुआ है। रूपाणी अपनी बेटी और पत्नी से मिलने लंदन जा रहे थे। रूपाणी को लेकर अब तरह-तरह की खबरें आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, वे १२०६ को अपनी लकी नंबर मानते थे। उनके पुराने स्कूटर से लेकर कार तक पर यही नंबर है। अब निधन हुआ तो वो भी १२ जून को।

दिल्ली समेत देश के बाकी हिस्सों में कब पहुंचेगा मानसून? मौसम विभाग ने बता दी तारीख

नई दिल्ली 13 जून (ए)। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में चेहरा झुलसा देने वाली भीषण गर्मी पड़ रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने मानसून को लेकर ताजा अपडेट दिया है। इस सप्ताह से एक बार फिर दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय हो रहा है। मानसून सामान्य तिथियों से काफी पहले 25 जून तक दिल्ली सहित उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों को कवर कर लेगा।मौसम विभाग ने बताया कि मानसून भारत में सबसे पहले 24 मई को केरल पहुंचा। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में निम्न-दबाव के कारण मानसून अगले कुछ दिन में तेजी से बढ़ा और 29 मई तक मुंबई समेत मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और पूरे पूर्वोत्तर तक जा पहुंच गया। हालांकि यह 28-29 मई से 10'1 जून तक रुका रहा। हालांकि मानसून अब एक बार फिर से सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अब मानसून के मध्य और पूर्वी भारत के शेष भागों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों को 18 जून तक कवर करने की संभावना है। इसके 19 जून से 25 जून के बीच उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश भागों में आगे बढ़ने.की उम्मीद है। दिल्ली में सबसे पहले पहुंचेगा मानसूनआईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि 27 जून की सामान्य शुरूआत तिथि से पहले मानसून 22-23 जून तक दिल्ली पहुंचने की संभावना है। भारत में जून-सितंबर मानसून के मौसम के दौरान 87 सेमी की लंबी अवधि की औसत वर्षा का 106 प्रतिशत प्राप्त होने की संभावना है।इन राज्यों में सामान्य से अधिक होगी बारिशलद्दाख, हिमाचल प्रदेश के आस-पास के इलाकों, पूर्वोत्तर और बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है। पंजाब, हरियाणा, केरल और तमिलनाडु के कुछ अलग-अलग इलाकों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की जा सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि केरल या मुंबई में मानसून का जल्दी या देरी से आना जरूरी नहीं कि देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की प्रगति का संकेत हो। उनका कहना है कि मानसून जटिल वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय कारकों से प्रभावित होता है, जिसमें महत्वपूर्ण परिवर्तनशीलता होती है।

हनीमून मर्डर केसः सोनम नहीं, ये शख्स है राजा रघुवंशी हत्याकांड का मास्टरमाइंड, एक नहीं 4 बार रची गई थी साजिश

शिलांग 13 जून (ए)। सोनम रघुवंशी समेत राजा रघुवंशी मर्डर केस के सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपियों की पूछताछ और पुलिस की जांच में सबसे बड़ा अपडेट यह निकलकर आया है कि राजा रघुवंशी हत्याकांड की मास्टरमाइंड सोनम नहीं बल्कि उसका कथित प्रेमी राज कुशवाहा है। राज ने साजिश रची और सोनम ने उसका साथ दिया।जानकारी के अनुसार, फरवरी में राज ने सोनम को गायब करने का प्लान बनाया था। फरवरी में पहला प्लान था की सोनम को नदी में बहा देते। दूसरा प्लान था, किसी महिला का शव अरेंज करके सोनम की स्कूटी के साथ जला देते ताकि सबको लगता की सोनम मर गई, लेकिन ये दोनों प्लान फरवरी में कामयाब नहीं हो पाए। इसी दौरान 11 मई

को सोनम की शादी राजा रघुवंशी से हो गयी। शादी के बाद सोनम और राजा कामाख्या देवी मंदिर दर्शन करने गए। 19 मई को राज के तीनों दोस्त विशाल, आनंद और आकाश पहले से ही गुवाहाटी आ गए थे। गुवाहाटी में ही पहले राजा को मारने का प्लान था लेकिन वो प्लान भी कामयाब नहीं हो पाया। गुवाहाटी वाला प्लान भी सफल नहीं हुआ। तब सोनम ने सोहरा में राजा की हत्या का प्लान बनाया। सोहरा में ये सब सोनम से मिले, पार्किंग में मुलाकात हुई। तीनों ने राजा की हत्या की और शव को खाई में फेंक दिया। सोनम वहीं मौजूद थी। इसके बाद ये लोग दोपहर 2:18 पर स्पॉट से निकल गए। हत्यारों का सोनम ने दिया था साथसोनम ने अपना रेनकोट आकाश को दिया, क्योंकि आकाश की शर्ट पर खून लग गया था। एक स्कूटी सोनम खुद चला कर निकली।ड्रू पॉइंट पर सोनम का रेनकोट फेक दिया गया। जांच में सामने आया की आकाश की शर्ट पर खून के धब्बे थे। रेनकोट फेंकने के बाद आकाश स्कूटी चलाने लगा और सोनम आकाश के पीछे बैठ गयी। जो स्कूटी राजा ने किराए पर ली थी वो स्कूटी आनंद स्पॉट से लेकर निकला और सोहरा बॉर्डर के पास स्कूटी छोड़ दी। टैक्सी स्टैंड से सोनम ने टेक्सी बुक की, सोनम ने बुरखा पहना जो राज में विशाल के हाथों भिजवाया था। राज के कहने पर सोनम ने भाई को किया था फोनसोनम टैक्सी से गुवाहाटी पहुंची और वहां से बस पकड़ कर सिलीगुड़ी पहुंची, फिर बस से पटना, पटना से आरा, आरा से ट्रेन से लखनऊ गयी और वहां से बस पकड़ कर इंदौर चली गयी। जब आरोपियों को पता चला पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है तो राज ने सोनम को इंदौर छोडने.को कहा। जब पुलिस टीम रेड कर रही थी और एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया राज को इसकी भनक लग गयी थी।

कोरोना को लेकर थोड़ी राहत, भारत में कई हफ्ते बाद एक्टिव केस घटे; पिछले 24 घंटे में एक की मौत

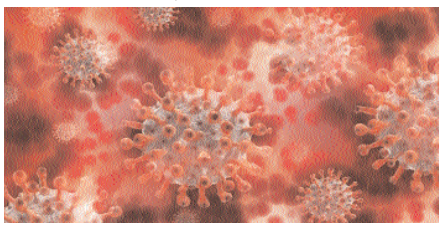

नईदिल्ली,13 जून (ए)। भारत के लिए कोविड'9 संक्रमण को लेकर थोड़ी राहत की खबर है। कई दिनों के बाद देश में संक्रमण के नए मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। पिछले 24 घंटे में पूरे देश में नए कोविड केस के मुकाबले ठीक होने वालों की संख्या ज्यादा रही है। हालांकि केरल में एक 82 साल के बुजुर्ग व्यक्ति की संक्रमण के कारण मौत हो गई है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 13 जून को कोविड संक्रमण को लेकर नए आंकड़े जारी किए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में कोविड के कुल एक्टिव केस 7131 हो चुके हैं। इसके पहले 12 जून को कुल मामले 7154 दर्ज किए गए थे। इस लिहाज से कोविड के एक्टिव मामलों में 23 की गिरावट आई है।स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के कुल 200 नए मामले दर्ज हुए, जबकि 223 एक्टिव केस घटे। इससे अब कुल एक्टिव मामलों की संख्या 7131 हो गई है, जबकि पिछले 24 घंटे में पूरे देश में कोविड से ठीक होने वालों की संख्या 1420 रही है।राज्यवार आंकड़ों में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 77 केस गुजरात में दर्ज हुए। उसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14'4, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3 और ओडिशा में एक मामला सामने आया।हालांकि कोरोना से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए वैरिएंट के बाद अब तक 78 मौतें दर्ज की गई। केरल में पिछले 24 घंटे में एक व्यक्ति के मरने का मामला आया। इससे पहले बुधवार को 3 लोगों ने जान गंवाई, जिनमें महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1' मरीज की मौत हुई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 21 मौतें दर्ज हैं, जबकि केरल में नए वैरिएंट से 20 लोग मरे हैं।

मुझे खुद भरोसा नहीं, मैं कैसे जिंदा निकला, विमान हादसे में बचे शख्स ने बताई आपबीती, पीएम मोदी ने की मुलाकात

अहमदाबाद13 जून (ए)। अहमदाबाद के विमान हादसे में विश्वास कुमार रमेश का बचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। विश्वास कुमार रमेश एकमात्र व्यक्ति हैं, जिनकी इस विमान हादसे में जान बची है। अब तक 241 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। विश्वास कुमार रमेश का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। मीडिया से बातचीत के दौरान विश्वास कुमार रमेश ने उस खौफनाक मंजर को बयां किया। वहीं, पीएम मोदी ने रमेश विश्वास से मुलाकात की।

विश्वास कुमार रमेश का कहना है कि सब कुछ मेरी आंखों के सामने हुआ। विश्वास कुमार ने कहा, " मुझे खुद भरोसा नहीं होता कि मैं कैसे बाहर जिंदा निकला। क्योंकि कुछ टाइम के लिए मुझे भी लगा कि मैं मरने वाला हूं। जब मेरी आंख खुली तब एहसास हुआ मैं जिंदा हूं। मैंने दुर्घटना के बाद प्लेन से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढा।"

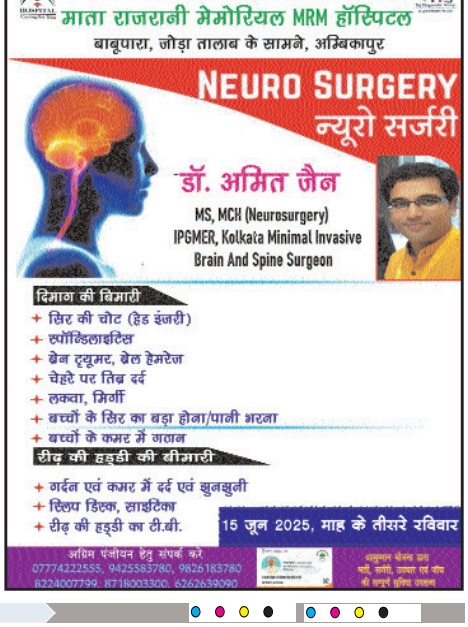

पहला कालम

अमेरा खदान में अधिकारी से मारपीट पुलिस ने सामान्य धाराओं में दर्ज किया केस

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के अमेरा ओपन कास्ट परियोजना के उपप्रबंधक खनन से खदान परिसर में ड्यूटी के दौरान बुधवार ११ जून को ग्रामीणों द्वारा की गई मारपीट मामले में लखनपुर पुलिस ने तीन नामजद समेत अन्य आरोपित ग्रामीणों के खिलाफ सामान्य धाराओं में केस दर्ज किए जाने को लेकर खदान के अधिकारियों में नाराजगी है।अधिकारियों का कहना है कि शासकीय कार्य के दौरान शासकीय सेवक से मारपीट करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है पुलिस को दोषी ग्रामीणों के खिलाफ समुचित कार्यवाही करनी चाहिए न कि केवल अपराध दर्ज करने की खानापूर्ति करनी चाहिए।बता दें कि तीन दिवस पूर्व गत ११ जून को अमेरा खदान के परसोढी कला गांव में शासकीय भूमि पर जहां कोयला उत्खनन के लिए कंपनी ने शासन से अनुमति प्राप्त किया है उस भूमि पर बिलासपुर से आई सीसीओ की टीम के साथ खदान के अधिकारी रमेश कुमार धीवर कोयला की सैंपलिंग कर रहे थे तभी ग्रामीणों ने उनपर हमला बोल दिया जिससे उनका सर फट गया और शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई है।बाद में खून से लथपथ उप प्रबंधक खनन समेत खदान के अन्य अधिकारियों ने लखनपुर थाना पहुंच मामले की शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने मेडिकल परीक्षण उपरांत घटना में आहत अधिकारी की रिपोर्ट पर गांव के लखपत,महेंद्र,शिवपाल सहित अन्य ग्रामीणों के खिलाफ बीएनएस की धारा११(२),२९६,३(५),३५१(२) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया है।बता दें कि अमेरा खदान के परसोढीकला में भूमि अधिग्रहण को लेकर पिछले करीब दस वर्षों से ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच विवाद चला आ रहा है।विवाद की वजह से ही करीब सात आठ वर्षों से अमेरा खदान में कोयला उत्पादन ठप्प पड़ा था किसी तरह गत वर्ष खदान शुरू हुआ लेकिन अब फिर ग्रामीणों के विरोध के कारण यहां मामला फंस गया है।

पुरुषोत्तम नगर में पांच आवारा भैंसों की नीलामी 16 को

कांकेर। जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत पुरुषोत्तमनगर में 16 जून को आवारा मवेशियों की सार्वजनिक नीलामी की जाएगी। ग्राम पंचायत की सरपंच दीपा दास ने बताया कि चार माह पूर्व गांव में पांच आवारा भैंसों को पकड़ा गया था, जो लगातार किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे। इन भैंसों को पंचायत द्वारा सुरक्षित स्थान पर रखा गया था, और उनके देख-रेख में पंचायत द्वारा निरंतर खर्च किया गया। कई बार सूचना देने के बावजूद अब तक कोई भी व्यक्ति इन भैंसों को लेने नहीं आया। पंचायत द्वारा सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है

बलरामपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही यातायात नियमों की अंदेखी करने वाले चालकों से वसूले 2,52,900/- शमन शुल्क

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
पुलिस इन दिनों अलग ही एक्शन मोड में है । जहाँ अलग अलग अपराधों में आरोपियों को जेल भेज रहे है वही दूसरी तरफ यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वाले चालको पर कार्यवाही भी कर रही है इसी अनुक्रम में जिला बलरामपुर अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर (भा पु से) के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विष्व दीपक त्रिपाठी के निर्देषन में जिला बलरामपुर अंतर्गत विगत वर्ष २०२४ के सड़क दुर्घटना के आंकडों के देखते हुए इस वर्ष २०२५ में सड़क दुर्घटना का कम करने कार्यवाही तेज कर दी है। जिसमें बलरामपुर पुलिस द्वारा *विशेष चेकिंग अभियान* के तहत चलानी कार्यवाही शुरू कर दी गई

है। जिसका सीधा असर १२.०६.२०२५ की कार्यवाही से पता चलता है जिसमें पुलिस विभाग द्वारा *५२१ प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए कल २,५२,९००/- रु* दो लाख बावन हजार नौ सौ रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया है। चालानी कार्यवाही में मुख्य रूप से शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों पर ०७ प्रकरण में कार्यवाही कर वाहन जब्त की कार्यवाही की गई है । बिना हेलमेट वाहन चलाने कुल ११० प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए ५५०००/- का शमन शुल्क वसूल किया गया है, बीना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों पर १६३ प्रकरण में कार्यवाही करते हुए ८१५००/- रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया है, तथा यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्यवाही करते हुए १४ प्रकरण में ४५०० रुपए का सामान शुल्क वसूल किया गया है, प्रतिबंधित मार्गो (नो एंट्री) वाहन चालन के विरुद्ध ०४ प्रकरण में ८०००० रुपए तथा बिना फिटनेस के वाहनों पर ०२ प्रकरण में ६००० रुपए की कार्यवाही की गई है। नाबालिक वाहन चालान के २ प्रकरण में २०००/- समेत तथा अन्य प्रकरण मिलाकर कुल ५२१ प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए २,५२,९००/- रुपए का सामान शुल्क वसूल किया गया है।
इसके अलावा यातायात नियामों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करने के साथ साथ *केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम १९८८ कि धारा १९ एवं केन्द्रीय मोटर यान नियम १९८९ के नियम २१ में उल्लेखित प्रावधानों* का पालन करते हुये वाहन चालकों का लाईसेंस निलंबन भी कराया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त आम जनों से अपील किया गया है कि वे यातायात नियमों का पालन करे। अपने एवं अपनों की जान को सुरक्षित रखते हुये वाहन चलायें, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, नबालिकों को वाहन न चलाने दें, तथा सड़क दुर्घटना होने पर घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचायें एवं च्युड सेमेरिटनज अच्छे नागरिक बनें। कार्यवाही में बलरामपुर पुलिस के समस्त थाना / चौकी के प्रभारी द्वारा किया गया ।

अभा कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय का नगर में हुआ जोरदार स्वागत

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय के बिहार में पार्टी के नौकरी दो या सत्ता छोड़ो विरोध प्रदर्शन में सम्मिलित होने के बाद रायपुर जाने के दौरान रामानुजगंज में एनएसयुआई के राष्ट्रीय सचिव एवं नेता प्रतिपक्ष प्रतीक सिंह एवं किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विकास दुबे के नेतृत्व नगर में स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए केंद्र की मोदी सरकार एवं बिहार के नीतीश सरकार पर भी निशाना साधा।

इस अवसर पर श्री उपाध्याय ने कहा कि १२ जून को बिहार राज्य के सभी जिलों में कांग्रेस पार्टी का महारैली आयोजित कर रोजगार कार्यालय में तालाबंदी और घेराव किया गया। बिहार के सभी जिलों

के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा प्रभारी नियुक्त किया गया था। मुझे औरंगाबाद जिले का प्रभार दिया गया था। उन्होंने बताया कि नेशनल करियर सर्विस के अनुसार बिहार में ३४ लाख से भी अधिक लोगों ने नौकरी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया और इन लोगों को अभी तक नौकरी नहीं मिली ऊपर से बिहार शासन यह कह रही है कि यहा कोई बेरोजगार नहीं है नौकरी के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों में ७३ प्रतिशत शिक्षित है तथा पूर्व की तुलना ग्रामीण एरिया में बेरोजगार दर २.६ प्रतिशत एवं शहरी एरिया में बेरोजगारी दर ७.३ प्रतिशत बढ़ गई है। इससे साफ हो गया है कि अभी भी बिहार में लाखों की संख्या में युवा बेरोजगार है और अपने राज्य को छोड़कर दूसरे राज्य में पलायन कर अपनी रोजी-रोटी तलाश रहे है। श्री उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी के हित में निरंतर लड़ाई लड़ते आ रही है और इस बार भी बिहार की युवाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ वृहद स्तर पर आंदोलन कर रही है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बेरोजगारों को लेकर बड़ा बयान दिया था कि इन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा उन्हें रोजगार प्रदान करेंगे लेकिन वर्तमान स्थिति में कोई बेरोजगारी भत्ता और किसी भी रोजगार नहीं देने की सूचना है।इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व पार्षद कौशल जयसवाल, विकास गुप्ता,एनएसयुआई जिला अध्यक्ष राहुल बर्मन सनोज दास सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रामानुजगंज से है २५ वर्ष पुराना नाता

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि रामानुजगंज से मेरा २५ वर्ष पुराना नाता है छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर स्थित रामानुजगंज आता रहता था यहां हमारे कई पुराने साथी हैं जो आज भी कांग्रेस पार्टी के मजबूती के लिए कार्य कर रहे हैं उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगता है एवं पुराने यादें भी ताजा हो जाती हैं।

एसईसीएल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 14 जून से 7 दिवसीय बूटकैम्प का आयोजन

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
११वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२५ को लेकर एसईसीएल में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय एवं कोयला मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निदेशानुसार एसईसीएल द्वारा १४ जून से २१ जून तक योग बूटकैंप का आयोजन किया जाएगा।
इस वर्ष के योग दिवस की थीम है एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग और एसईसीएल द्वारा इसके तहत योग से योग्य अभियान चलाया जाएगा।
१४ जून से २० जून तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय योग बूटकैम्प के माध्यम से एसईसीएल अपने कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, स्कूली बच्चों एवं अन्य हितधारकों को योग के प्रति जागरूक करेगा। इन सत्रों में पेशेवर योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में महिलाओं, युवाओं कार्यस्थल पर योग, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों के साथ ३० से ४५ मिनट की सामूहिक योगाभ्यास गतिविधियाँ होंगी।
२१ जून २०२५ को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर च्योग संगमका भव्य आयोजन होगा ,इसमें एसईसीएल शीर्ष प्रबंधन, अधिकारी, कर्मचारी, परिवारजन, स्कूली विद्यार्थी एवं आम नागरिक भाग लेंगे। यह आयोजन वर्चुअली भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित मुख्य समारोह से भी जोड़ा जाएगा।

तेज डायग्नोस्टिक सेंटर में 15 को मौजूद रहेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
तेज डायग्नोस्टिक एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रत्येक माह के तीसरे रविवार दिनांक १५ जून २०२५ को निम्न विशेषज्ञ डॉक्टर परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगें । छ.ग. के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित जैन एमएस एमसीएच न्यूरोसर्जरी ब्रेन एंड स्पाइन सर्जन, रायपुर के सुप्रसिद्ध मनोचिकित्सक . डॉ गौरी शंकर सिंह एमडी बीएचयू एमबीबीएस ,रायपुर के वरिष्ठ बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन एमबीबीएस एमएस एमसीएच मुंबई नियोनेटल एंड पैट्रियोटिक सर्जन,रायपुर के सुप्रसिध्द किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. करण सराफ एमबीबीएस एमडी मेडिसिन डीएम नेफ्रोलॉजी, रायपुर के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेलिल गोस्वामी कार्डियोलॉजिस्ट ,संवेदित रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु एवं परामर्श के लिए तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल, जोड़ा तालाब के सामने बाबूपारा अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगें। संपर्क नं. ८२२४००७७९९,८२२४००७७५५,०७७७४२६९९९, ०७७७४२२२९९९,९८२६१८३७८०...।

पीजी कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारंभ

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में बीए,बीएससी,बीकाम,बीसीए,डीसीए, पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर सत्र २०२५-२६ हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है. इच्छुक छात्र छात्राएं महाविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन माध्यम से दिनांक १२ जून से २५. जून तक आवेदन कर सकते हैं । प्रवेश हेतु पहली सूची का प्रकाशन दिनांक २६.जून को किया जाएगा । प्रवेश को लेकर के यदि छात्रों को किसी प्रकार की समस्या होती है तो महाविद्यालय के ऑटोनॉमस सेल से तुरंत संपर्क कर सकते हैं ।

पीईकेबी खदान बनी छत्तीसगढ़ की पहली सौर ऊर्जा से संचालित खदान, खनन क्षेत्र में किया नया कीर्तिमान स्थापित

खदान क्षेत्र में 9 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन

उदयपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा जिले में संचालित राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की परसा ईस्ट कांता बासेन (पीईकेबी) खदान ने नौ मेगावाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा बिजली संयंत्र की स्थापना के साथ पर्यावरण के अनुकूल खनन की दिशा में एक नई मिसाल कायम की है। इस पहल के साथ, पीईकेबी खदान राज्य की पहली ऐसी खदान बन गई है, जो पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा पर आधारित है और शत-प्रतिशत ऊर्जा के साथ आत्मनिर्भर बन चुकी है। यह पूरे देश की सैकड़ों खदानों में एक विशेष उपलब्धि है, जहां इतनी बड़ी सौर ऊर्जा का प्रयोग खदान की अपनी बिजली आपूर्ति के लिए किया गया है।
शुक्रवार को पीईकेबी खदान में नौ मेगावाट क्षमता वाले अक्षय ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया गया। अम्बिकापुर के विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने पैनल बोर्ड के स्विच को चालू कर संयंत्र को प्रारंभ किया। उन्होंने पीईकेबी खदान में पहले खनन की गई लगभग ३० एकड़ भूमि में लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्र का निरीक्षण किया और उसके उपयोग तथा पीईकेबी खदान द्वारा पर्यावरण और स्थानीय लोगों के उत्थान के लिए की गई अनेक पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी भी ली। राजस्थान सरकार ने अदाणी एंटरप्राइजेज को प्रतिस्पर्धात्मक बोली के तहत खदान के विकास के लिए अनुबंध दिया है।
पीईकेबी खदान छत्तीसगढ़ के उदयपुर क्षेत्र में स्थित है और यह क्षेत्र में रोजगार, बुनियादी ढाँचे और सतत विकास के कई आयामों में योगदान दे रही है। इसके अलावा, १५,६८ लाख से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं,

वहीं १००० से ज्यादा बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में निःशुल्क उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। पीईकेबी खदान राजस्थान राज्य के करीब आठ करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। श्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा, "अदाणी समूह द्वारा पीईकेबी खदान में सौर ऊर्जा का प्लांट स्थापित किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण कार्य है। आज देश दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें से सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करना भी शामिल है। मुझे जानकारी मिली है कि सोलर प्लांट के द्वारा यदि सालाना २१.३७ लाख यूनिट बिजली ग्रिड में भेजी जाती है, तो वह १७०९४ टन कार्बन उत्सर्जन को कम करता है, जो कि १ लाख वृक्ष के समकक्ष है। अदाणी एंटरप्राइजेज की यह पहल क्षेत्र में पर्यावरण के संतुलन के साथ कार्बन उत्सर्जन को कम करने का एक सार्थक प्रयास है।
अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सहयोगी संस्था मुंद्रा सोलर पीवी लिमिटेड द्वारा स्थापित नौ मेगावॉट क्षमता का यह सौर ऊर्जा संयंत्र पीईकेबी खदान में करीब ३० एकड़ में फैला हुआ है। यह आने वाले २५ वर्षों में चार लाख टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा, जो कि २५ लाख पेड़ों के समकक्ष है। यह पहल समूह द्वारा देश में ऊर्जा जरूरत को पूरा करने हेतु सतत खनन के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल संचालन प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सूर्य से प्राप्त अक्षय ऊर्जा का प्रयोग कर यह खदान अब खनन उद्योग के लिए एक नई दिशा प्रस्तुत कर रही है, जिससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय गिरावट आएगी।
पीईकेबी खदान की यह पहल दर्शाती है कि खनन क्षेत्र भी सतत विकास के पथ पर अग्रसर होकर अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकता है। इसके अलावा हाल ही में, अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज ने रायगढ़ के गारे पेलमा ३ में माइनिंग लॉजिस्टिक्स में देश का पहला हाइड्रोजन ट्रक भी लॉन्च किया है जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम है। इस तरह की परियोजनाएं राज्य के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों को भी नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने की प्रेरणा दे सकती हैं। यह पहल खदान में निरंतर पर्यावरण-संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित खनन मॉडल को अपनाएगी। इस दौरान राजस्थान सरकार के निगम के अधिकारियों सहित खदान के चीफ ऑफ क्लस्टर श्री मुकेश कुमार, क्लस्टर एच आर हेड श्री राम द्विवेदी और खदान प्रमुख श्री विपिन सिंह उपस्थित थे।
इसके पश्चात श्री अग्रवाल ने पीईकेबी खदान में खनन की गई भूमि पर किए जा रहे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम देखने हेतु नर्सरी का दौरा किया। उन्होंने यहां साल की नर्सरी का अवलोकन कर पौधारोपण भी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा, "पीईकेबी खदान में खननकर्ताओं द्वारा १५ लाख से ज्यादा पेड़ लगाकर जो वन का विकास किया जा रहा है, वह एक प्रशंसनीय प्रयास है। और खासकर साल का पौधा, जो कहीं तैयार नहीं हो सकता है, उसे भी यहां विकसित किया जा रहा है, जो कि पर्यावरण की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। इसके लिए मैं अदाणी प्रबंधन को बधाई देता हूं।"

स्क्रीन पर पिता का किरदार, ऑफ-स्क्रीन असली रिश्ता: सोनी सब कलाकारों ने फादर्स डे पर साझा किए पितृत्व के अनुभव

मुंबई। फादर्स डे के खास मौके पर सोनी सब के कलाकारों ने पिता होने के अपने व्यक्तिगत अनुभव और विचार साझा किए — एक ऐसा किरदार जो जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही सुखद भी। जयेश मोरे, सुमीत राघवन, आरव चौधरी और जयेश भरथाना ने एक पिता होने की खुशियों, जिम्मेदारियों और उन्हें मिले सबक पर खुलकर बात की। उन्होंने अपने बच्चों के साथ साझा किए गए खास रिश्तों, उनके गुणों में मूल्यों को शामिल करने पर बात की और बताया कि पितृत्व ने उनकी सोच को स्क्रीन और वास्तविक जीवन दोनों में कैसे बदला है।

'वागले की दुनिया झ नई पीढ़ी, नए किस्से' में राजेश वागले की भूमिका निभा रहे सुमित राघवन ने कहा कि अगर मैं काम पर नहीं होता, तो आमतौर पर फादर्स डे अपने बच्चों के साथ घर पर बिताता हूं। मैं मानता हूं कि मैं एक व्यावहारिक पिता हूं — ऑनस्क्रीन भी और ऑफस्क्रीन भी। असल जिंदगी में मैं अपने पिता से बेहद जुड़ा हूं; मेरे लिए वे मेरे सुपरहीरो हैं। मैं जानता हूं कि मैं ऐसा कहने वाला पहला बच्चा नहीं हूं, लेकिन उन्होंने मेरी शख्सियत को आकार दिया है। मैं अपने प्रशंसकों से कहना चाहूंगा कि अपने माता-पिता का सम्मान करें — वे हमारे गुरु हैं और उन्हें हमेशा प्यार और देखभाल का एहसास कराते रहें।
'वीर हनुमान' में केसरी की भूमिका निभा रहे आरव चौधरी ने कहा कि मेरे लिए पितृत्व सबसे सशक्त और विनम्र बनाने वाला किरदार है। यह केवल सुरक्षा और पालन-पोषण तक सीमित नहीं है — यह ईमानदारी, धैर्य और करुणा के साथ जीवन को आकार देना है। मुझे लगता है कि एक पिता का अर्थ है खुद मिसाल बनना, अपने कर्मों से साहस सिखाना और यह बताना कि असली ताकत अक्सर नम्रता और चुपचाप सहने की क्षमता में होती है। जो विरासत हम अपने मूल्यों और फैसलों के जरिए

बच्चों को देते हैं, वही सबसे महत्वपूर्ण होती है। और भगवान हनुमान के पिता केसरी का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है।
'पुष्पा इम्पॉसिबल' में बापोदरा भाई की भूमिका निभा रहे जयेश भरथाया ने कहा कि बापोदराभाई के रूप में मैं भले ही जोर से बोलने वाला या जिद्दी नजर आऊं, लेकिन जब बात मेरी बेटी प्रार्थना की आती है, तो एक नरमी हमेशा झलकती है। ऑनस्क्रीन हमारे बीच का रिश्ता प्यार, देखभाल और अनकही समझ से भरा हुआ है — और यह रिश्ता पर्दे के पीछे भी उतना ही खास है। शूटिंग के दौरान हमारे बीच एक सच्ची आत्मीयता है और वह वाकई मुझे असल जिंदगी में भी बेटी जैसी लगती है। इस फादर्स डे पर मैं आभारी हूं कि मुझे एक ऐसे पिता की भूमिका निभाने का मौका मिला, जो भावनाओं से भरी, गहराई वाली यात्रा पर है — और जो मुझे स्क्रीन के अंदर और बाहर दोनों जगह उस रिश्ते को जीने का मौका देता है। 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में दिलीप पटेल का किरदार निभा रहे जयेश मोरे ने कहा कि शो में मेरा किरदार दिलीप शुरुआत में एक आदर्श पिता नहीं था, लेकिन जब उसे अपने बच्चों — अश्विन, चिराग और दीप्ति — के लिए उपस्थित रहने का महत्व समझ में आया, तो उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भले ही उसने ग्रे शेड्स के साथ शुरुआत की हो, लेकिन आज वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत सहारा बन चुका है। इस फादर्स डे पर मुझे उसकी पूरी यात्रा याद आ रही है। पर्दे के पीछे भी मेरा पूरी कास्ट के साथ खूबसूरत रिश्ता है। देशना, जो मेरी सबसे छोटी बेटी की भूमिका निभा रही है, मेरे बेहद करीब है — यहां तक कि वह परीक्षा के वक्त मुझसे पढ़ाई की सलाह भी लेती है। वाकई, सेट पर मुझे एक दूसरा परिवार मिल गया है।

छोटी खबरें

बालको ने कर्मचारियों के परिवार को दिखाया विश्वस्तरीय एल्यूमिनियम उत्पादन

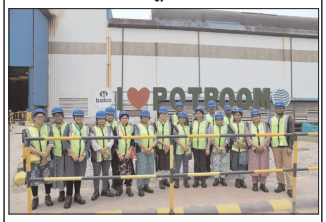

कोरबा अम्बिकावाणी - वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने कर्मचारियों के लिए चार-दिवसीय फैमिली ड्राइव का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के परिवारजनों को एल्यूमिनियम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था, जिससे उनके मन में संगठन के प्रति जुड़ाव और गर्व की भावना उत्पन्न हो सके। इस पहल के तहत परिवार के लोगों को संयंत्र का समग्र भ्रमण कराया गया। यात्रा की शुरूआत सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशन्स सेंटर (सीएसओसी) में सुरक्षा ब्रीफिंग से हुई, जहां उन्हें बालको द्वारा अपनाई गई अत्याधुनिक सुरक्षा प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने पॉटलाइन में एल्युमिना पाउडर को पिघले हुए धातु (एल्यूमिनियम) के रूप में देखा। इसके साथ ही उन्हें कार्बन एनोड के उत्पादन के बारे में भी बताया जो एल्यूमिनियम उत्पादन प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। १२०० मेगावॉट के पावर प्लांट का दौरा भी कराया गया, जहां से संपूर्ण संयंत्र को ऊर्जा प्रदान की जाती है। यात्रा का समापन कास्ट हाउस में हुआ जहां पिघला हुआ एल्यूमिनियम विभिन्न तैयार उत्पाद जैसे इनगॉट्स, रोल्ड प्रोडक्ट्स, वायर रॉड्स और प्राइमरी फाउंड्री अलॉय में परिवर्तित किया जाता है जो विभिन्न प्रमुख उद्योगों में अहम भूमिका निभाते हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मानते हैं कि हमारी असली शक्ति हमारे कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों के अटूट समर्थन में भी है। हमारा विस्तारित 'बालको परिवार' वह भावनात्मक आधार है जो हमारे कार्यबल को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। हम इस योगदान को अत्यधिक महत्व देते हैं और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो समग्र कल्याण, कार्य-जीवन संतुलन और एक साझा उद्देश्य को प्रोत्साहित करती है। लक्ष्मी देवी छीपा ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमने अपने बच्चों से बालको की विभिन्न कार्यप्रणाली के बारे में सुना था, लेकिन आज उसे प्रत्यक्ष रूप से देखना, समझना और यह जानना कि हमारे परिजन इस ६० वर्ष पुरानी विरासत वाली संस्था में कैसे योगदान दे रहे हैं, हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है। संयंत्र की कार्यप्रणाली और सख्त सुरक्षा उपायों को देखकर बहुत अच्छा लगा। यह अनुभव हमारे लिए यादगार रहेगा। ट्रांसफॉर्म फॉर गुड के विजन के साथ बालको एक समावेशी कार्यस्थल का निर्माण कर रहा है, जहां होली से लेकर ईद तक सभी पर्व पूरे बालको परिवार द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। वेदांता को इसके प्रभावी मानव संसाधन प्रयासों के लिए च्हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग अवार्ड २०२५ज और च्ग्रेट प्लेस टू वर्क २०२५ज जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं।

कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए बालको निरंतर कई महत्वपूर्ण और सराहनीय पहलें करता है। कंपनी की च्स्पाउस हायरिंग पॉलिसीज के माध्यम से योग्य और अनुभवी जीवनसाथियों को भी कंपनी के विकास में योगदान देने का अवसर मिलता है। साथ ही व्यापक चिकित्सा कवरेज कर्मचारियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य की पूरी सुरक्षा करता है।

बालको के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन शिविर का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है, जिससे वे जीवन के महत्वपूर्ण कौशल सीख सकें। बालकोनगर स्थित बालको टाउनशिप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, हरियाली से युक्त वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और सामाजिक उत्सवों के आयोजन जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो यहां रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर को समृद्ध बनाती हैं।

गुरसिया पंचायत में साप्ताहिक बाजार नीलामी 17 को

कोरबा अम्बिकावाणी - पोड़ी उपरोड़ा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरसिया में वर्ष २०२५-२६ के लिए साप्ताहिक बाजार की नीलामी प्रक्रिया १७ जून २०२५, मंगलवार को आयोजित की जाएगी। यह नीलामी ग्राम पंचायत सरपंच हेमलता बघेल के निर्देशन में दोपहर २:०० बजे ग्राम पंचायत भवन गुरसिया में की जाएगी। पंचायत द्वारा सभी इच्छुक निविदाकारों से निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग लेने की अपील की गई है। नीलामी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाएगी, जिससे अधिकतम राजस्व प्राप्त किया जा सके।

इलाज के बहाने घायल बच्ची को उठाया, कार से मिला शव, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में सात वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। घायल बच्ची को इलाज के बहाने अपने साथ ले जाने वाला युवक उसकी लाश के साथ पकड़ा गया। यह घटना बलौदा थाना क्षेत्र के बछावत गांव की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, १२ जून गुरुवार की शाम सात वर्षीय शिवांगी पटेल अपने माता-पिता के साथ बाइक पर सवार थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही CG-12-BN-5113 नंबर की कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। बच्ची सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो गई। इसी बीच कार चालक ने इलाज का बहाना बनाकर बच्ची को उठाया और गाड़ी में बैठाकर मौके से फरार हो गया। परिजन बच्ची की तलाश में आसपास के अस्पतालों में भटके, लेकिन जब कहीं कुछ पता नहीं चला तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। सूचना मिलते ही जांजगीर पुलिस ने तत्काल सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी माध्यम से कार की लोकेशन ट्रेस की और कोरबा जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र में संदिग्ध वाहन को घेराबंदी कर पकड़ा। जांच के दौरान कार से बच्ची शिवांगी का शव बरामद हुआ, जिससे इलाके में गमगीन और आक्रोशपूर्ण माहौल बन गया है। पुलिस ने वाहन जब्त कर आरोपी चालक देवेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है कि यह सिर्फ एक हादसा था या सोची-समझी साजिश। परिजनों ने न्याय की मांग की है और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

ओटीपी नहीं तो राशन नहीं!

आधार लिंक कराने हितग्राहियों को चुकाने पड़ रहे 100 रुपये, मुफ्त राशन लेने अब भुगतना पड़ रहा आर्थिक बोझ

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ सरकार ने चावल उत्सव योजना के तहत जून, जुलाई और अगस्त महीने का राशन एक साथ वितरित करने की घोषणा की है। लेकिन इस बार वितरण प्रक्रिया में अचानक लागू किए गए नए डिजिटल नियम ने ग्रामीण हितग्राहियों को भारी परेशानी में डाल दिया है। अब तक राशन वितरण में सिर्फ बायोमेट्रिक (अंगूठा) सत्यापन पर्याप्त होता था, लेकिन अब मोबाइल पर भेजे गए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) को दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, तीन महीने का राशन मिलने के कारण एक हितग्राही को एक बार में छह बार ओटीपी दर्ज करना पड़ रहा है, जिससे वितरण प्रक्रिया न केवल धीमी हुई है बल्कि अत्यंत जटिल भी बन गई है। सबसे अधिक समस्या उन हितग्राहियों को हो रही है जिनका मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है। उन्हें अपने परिजनों या परिचितों के मोबाइल से ओटीपी मंगवाना पड़ रहा है, जिससे दुकानों में भीड़ और अव्यवस्था फैल रही है। ग्रामवासी हितग्राही बताते हैं। हम गरीब लोग हैं, मोबाइल भी ठीक से नहीं चलाना आता। तीन बार दुकान गया, ओटीपी नहीं आया। अब बेटे के मोबाइल से मंगाकर राशन ले रहे हैं। हर बार ओटीपी भेजना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए अब ग्रामीण लोक सेवा केंद्रों में आधार से मोबाइल लिंक कराने पहुंच रहे हैं, जहां उनसे १०० रुपये तक वसूले जा रहे हैं। मुफ्त राशन पाने के लिए अब हितग्राहियों को यह अतिरिक्त खर्च भी वहन करना पड़ रहा है। शासन और खाद्य विभाग की ओर से कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश या समाधान अब तक नहीं आया है, जिससे भ्रम और असंतोष की स्थिति बनी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या और डिजिटल जानकारी की कमी इस नई व्यवस्था को और भी कठिन बना रही है। जब तक तकनीक सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचती, तब तक ऐसी व्यवस्थाएं आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण ही बनेंगी।

मत्स्याखेट पर रहेगा प्रतिबंध, मछलियों के संरक्षण हेतु 15 अगस्त तक बंद ऋतु घोषित

मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि को ध्यान में रखकर उनके संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत १६ जून से १५ अगस्त तक की अवधि को बंद ऋत (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत जिले के समस्त नदियों-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब, छोटे-बड़े जलाशयों में सभी प्रकार का मत्स्याखेट १६ जून से १५ अगस्त २०२५ तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सहायक संचालक मछली पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने तथा अपराध सिद्ध होने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के तहत ०१ वर्ष का कारावास तथा ०५ हजार रूपए का जुमार्ने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्रोत या नदी-नालों को छोड़कर जिनका संबंध किसी नदी-नाले से नहीं है और उनके अतिरिक्त जलाशय जिनमें केज कल्चर का कार्य किया जा रहा है, उनमें मत्स्य अधिनियम लागू नहीं होंगे।

सहायक शिक्षक विज्ञान के पद पर समायोजन के लिए ओपन काउंसिलिंग 17 से 26 जून तक

रायपुर। प्रदेश में सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति उपरांत सेवा समाप्त किये गये 2621 बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन के लिए ओपन काउंसिलिंग की प्रक्रिया होगी। इसके लिए राज्य स्तरीय काउंसिलिंग की कार्यवाही एससीईआरटी परिसर शंकर नगर रायपुर में 17 जून से 26 जून तक की जाएगी। काउंसिलिंग के पश्चात अभ्यर्थी द्वारा चुने गए विद्यालय के लिए नियुक्ति पत्र जारी करना तथा दस्तावेजों का सत्यापन का काम जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा 25 जून से 4 जुलाई तक किया जाएगा। बीएड अभ्यर्थियों को आदेश जारी होने के 7 दिवस के भीतर संबंधित शालाओं में कार्यभार ग्रहण करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार काउंसिलिंग के लिए 29 जिलों के 103 विकासखण्डों की 1520 शालाओं से 2621 रिक्त पद लिए गए हैं। इनमें दुर्ग-रायपुर-बिलासपुर एवं जांचा-जांजगीर जिले को शामिल नहीं किया गया है। अधिसूचित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सेजेस शामिल होने के कारण सेजेस विद्यालयों को भी शामिल किय गया है। गौरतलब है कि बीएड अभ्यर्भियों के प्रकरण पर विचार के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की अनुशंसा अनुसार बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग, अधिसूचित विकासखण्डों तथा इससे संलग्न निकट के विकासखण्ड एवं राज्य के सीमावर्ती विकासखण्डों में स्थित शालाओं की रिक्तियों को शामिल किया गया है। संलग्न विकासखण्डों को शामिल करते समय यह ध्यान रखा गया है कि वे मुख्यालय से दूर हो एवं वहाँ शिक्षकों की उपलब्धता कम हो। यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 30 अप्रैल को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति उपरांत सेवा समाप्त किये गये 2621 बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए उन्हें सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन करने का निर्णय लिया गया था। हटाये गए बी.एड अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के राज्य में रिक्त 4,422 पदों में समायोजित करने तथा समायोजन गैर विज्ञापित पदों पर करने इसी प्रकार कला/विज्ञान संकाय से 12वीं उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों को निर्धारित अर्हता (12वीं गणित/विज्ञान) पूर्ण करने हेतु 3 वर्ष की अनुमति देने का निर्णय लिया गया था। साथ ही इन अभ्यर्थियों को प्रयोगशाला कार्य के संबंध में एस.सी.ई.आर.टी. के माध्यम से दो माह का विशेष प्रशिक्षण देने और अन्य पिछड़ा वर्ग के शेष 355 अभ्यर्थियों के लिए सांख्येत्तर पदों का सृजन करने का निर्णय लिया गया था।

8 जून को रायपुर में सम्पन्न हुई बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ की बैठक, कोरबा में होगा द्विवार्षिक अधिवेशन

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक ८ जून को रायपुर स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष बी.एस. राजपूत ने की, वहीं संचालन का दायित्व महामंत्री नवरतन बरेठ ने निभाया। बैठक में महासंघ के विगत कार्यो की समीक्षा, आय-व्यय प्रतिवेदन, क्षेत्रीय रिपोर्ट और आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अप्रैल माह में सम्पन्न अखिल भारतीय विद्युत महासंघ के त्रैवार्षिक अधिवेशन का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत कर अनुमोदित किया गया। महत्वपूर्ण निर्णय के तहत महासंघ का द्विवार्षिक अधिवेशन २७ जुलाई या ३ अगस्त को उजार्धानी कोरबा में आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व प्रदेशभर में पदाधिकारी संपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिससे संगठन को और मजबूत किया जा सके। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, तकनीकी भत्ता, और लंबित पदोन्नति जैसे ज्वलंत मुद्दों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। निर्णय लिया गया कि यदि इन विषयों पर चेयरमैन के साथ प्रस्तावित अगली बैठक में सकारात्मक परिणाम नहीं मिलता, तो महासंघ एक वृहद आंदोलन की राह अपनाएगा। अंत में कार्यकारी अध्यक्ष संजय तिवारी ने आभार व्यक्त किया। बैठक में अ.भा. मंत्री राधेश्याम जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री हरीश चौहान, महामंत्री अरुण देवांगन, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, ठेका प्रभारी एस.के. मजूमदार सहित प्रदेशभर से आए कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे।

पुरानी बस्ती कोरबा में रक्तदान शिविर का आयोजन 14 जून को सुबह 09 बजे से

कोरबा अम्बिकावाणी - एन.के.एच. बालाजी ब्लड बैंक और श्री राधा कृष्ण सेवा समिति पुरानी बस्ती कोरबा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन १४ जून शनिवार को सामुदायिक मंच दशहरा मैदान रानी गेट दुर्गा मंदिर के पीछे आयोजित किया जाएगा। उक्त शिविर में सुबह ९:०० से शाम ४:०० बजे के बीच पहुंचकर युवा व रक्तदाता अपना रक्तदान कर सकेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका निगम कोरबा के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वार्ड क्र ०७ की पार्षद धनश्री अजय साहू, वार्ड क्र. ०६ के पार्षद टामेश अग्रवाल सहित समिति सदस्य के अलावा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। समिति के अध्यक्ष विशाल कुमार साहू ने लोगों को रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/............/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक त्रिलोचन सिंह बाबरा पिता स्व. तेजपाल सिंह बाबरा, जाति सिक्ख, निवासी रिंगरोड, नमनाकला अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक हरपाल सिंह बाबरा पिता स्व. तेजपाल सिंह बाबरा, निवासी रिंगरोड नमनाकला अम्बिकापुर के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला देवीगंज स्थित नजूल प्लॉट नं. 1163/35 रकबा 450.80 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र पंजीयन दिनांक 19.02.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अतः उक्त पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से अनावेदक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीबद्ध दानपत्र पंजीयन दिनांक 19.02.2025 की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/05/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

:: ईश्तहार ::

रा०प्र०क्र० 202506020400043/
अ-21/2024-25
ग्राम-झिरमिटी, प०ह०नं०-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखदेव राजवाड़े आ० केशवर राजवाड़े, निवासी ग्राम पतरापारा, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा ग्राम झिरमिटी, प०ह०नं० 27 स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 361/4 रकबा 0.130 हे० भूमि को अनावेदक शिवनारायण यादव आ० शिव विलास यादव एवं अन्य 01, निवासी ग्राम घाटबर्रा, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) को पंजीकृत अनुबंध पत्र कब्जा रहित दिनांक 08 जनवरी 2025 द्वारा राशि रू० 9,50,000.00 (नौ लाख पचास हजार रुपये) में विक्रय करने का सौदा तय कर बतौर अग्रिम राशि रू० 50,000.00 (शब्दों में-पचास हजार रुपये) प्राप्त कर आवेदित भूमि को विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन मय दस्तावेज सहित कलेक्टर महोदय, जिला सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जिसमें निर्धारित बिन्दुओं पर जांच कर, प्रतिवेदन भेजे जाने इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 04/07/2025 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे।

आज दिनांक 13/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

तहसीलदार उदयपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............./अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियालेखा सिंह पत्नी अभिषेक सिंह जाति क्षत्रिय निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मायापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 1/29, 10/23 रकबा 0.006, 0.006 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/06/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 12/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम सलका तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरिशंकर आ० स्व० कामता निवासी ग्राम-सलका, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादा) स्व० संचू दास की मृत्यु दिनांक 05/06/2011 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रजि० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 27/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 27/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 02/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम कोटबर्रा तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका दुहनी बाई आ० फोकू राम निवासी ग्राम-कोटबर्रा, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पिता) स्व० फोकू राम की मृत्यु दिनांक 10/02/2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रजि० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 16/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 16/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 02/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम कोटबर्रा तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुखमानिया पति स्व. केन्दा राम निवासी ग्राम-कोटबर्रा, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पति) स्व. केन्दा राम की मृत्यु दिनांक 26/10/2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रजि० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 16/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 16/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 02/06/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम कोटबर्रा तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका दुहनी बाई आ० फोकू राम निवासी ग्राम-कोटबर्रा, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादी) स्व० चमरीन की मृत्यु दिनांक 16/06/2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रजि० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 16/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 16/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

सूचना

मैं सनउवर शाह पिता शहीद शाह निवासी ग्राम चुमरा, थाना व तह० रामानुजगंज, जिला बलरामपुर-रा०गंज का निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड नम्बर- 5264 4216 3904 में मेरा नाम Sanuvar Shah अंकित है, तथा मेरे नाम से आई.डी.बी.आई. बैंक शाखा रामानुजगंज में खाता नम्बर-123910400033707 संचालित है। मेरा नाम Sanuvar Shah अंकित है। मेरी माता मरियम शाह के नाम से खाता नम्बर-123910400097723 संचालित है। जिसमें मेरा नाम नॉमिनी में Sanawer अंकित है।

उक्त तीनों नाम का मैं एक ही व्यक्ति हूँ, तथा तीनों नाम से जाना व पहचाना जाता हूँ। जो कि सत्य सही है।

CMYK

अम्बिकावाणी

रायपुर, शनिवार 14 जून, 2025

सम्पादकीय

संपादकीय

छात्रों की खुदकुशी

उच्चतम न्यायालय ने डांटने के बाद छात्र के आत्महत्या करने के मामले में आरोपी को बरी कर दिया। पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है।

अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा इस तरह की डांट-फटकार कम-से-कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं। आरोपी के अनुसार, यह डांट-फटकार अभिभावक के रूप में थी, ताकि छात्र गलती दोबारा न दोहराए। दोनों के दरम्यान कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, छात्रों की आत्महत्या के मामलों में तेजी आती जा रही है। 2024 में लांच की गई रिपोर्ट, छात्र आत्महत्याएं: भारत में फैली महामारी के अनुसार छात्रों में आत्महत्या के मामलों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि देखी गई है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। पिछले दशक में 0-24 वर्ष के छात्रों की खुदकुशी की संख्या बढ़कर साढ़े तेरह हजार तक हो गई है। बीते हफ्ते ही सबसे बड़ी अदालत ने राजस्थान सरकार को कोटा में बढ़ती जा रही छात्रों की आत्महत्याओं पर न सिर्फ फटकार लगाई है बल्कि जांच करने को भी कहा है। नई पौध का जीवन बेशकीमती होता है। बावजूद इसके कि सारी दुनिया में तनाव, अवसाद व चिंता के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिनकी चपेट में आने से कोई वर्ग बचा नहीं है। छात्रों पर पढ़ाई का अत्यधिक बोझ तो है ही। उन पर शिक्षास्थल के वातावरण, प्रतिस्पर्धा, रिहायश, खान-पान का भी काफी दबाव बढ़ता जा रहा है। कई मर्तबा वे अपने गृहनगर व परिवार से दूरियों से भी जूझ रहे होते हैं। जरूरी नहीं कि हर मामले में शिक्षक या संबंधित शख्स की मंशा स्पष्ट हो। बेशक यह साक्ष्यों पर निर्भर करता है, परंतु किशोरावस्था में स्वाभिमान पर लगने वाली ठेस भी कभी-कभी जानलेवा हो सकती है।

जरूरी है कि किशोरवय में उचित काउंसलिंग और मनोविश्लेषकों की मदद की सुविधा अनिवार्य की जाए। बच्चों को नियम-कायदों में रहना चाहिए मगर प्रबंधन व शिक्षकों को भी उनके बेशकीमती जीवन व स्वाभिमान का ख्याल रखना सीखना चाहिए।

बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो

पंकज चतुर्वेदी

कहते हैं जब जेठ तपता है तो आषाढ़ बरसता है और सावन-भादों में झड़ी लगती है। इस साल जब नौतपा में भारत वर्ष को खूब गरम होना था, बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो। मौसम वैज्ञानिक विचार करते रहे कि यह मानसून-पूर्व बरसात है, लेकिन चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बदलियां जल्दी ही धमक गईं। हमारे देश का अर्थ-तंत्र और सामाजिक तानाबाना मानसून पर निर्भर है।

इस तरह जल्दी बरसात ने भले ही ताप के प्रभाव को कम कर दिया हो, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह मानसून अनियमित होता रहा तो देश के समीकरण गड़बड़ा जाएंगे।

इस साल केरल में मानसून 24 मई, 2025 को आ गया, जबकि सामान्य आगमन तिथि 1 जून है उससे 8 दिन पहले। मुंबई और कर्नाटक में भी मानसून समय से काफी पहले आ गया है। मुंबई में मानसून की सामान्य आगमन तिथि 11 जून है, जबकि आ गया 26 मई को। कर्नाटक में 1-5 जून की सामान्य तिथि की तुलना में बादलों का डेरा 26 मई को आ गया। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में 'अलनीनोइ और दीगर मौसम में 'ला नीनाइ का असर हमारे मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रहा है। इस साल बहुत पहले और भयंकर बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान स्स्ज्ञ) में वृद्धि माना जा रहा है।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। जैसे-जैसे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता है, वातावरण में नमी की मात्रा भी बढ़ती है। अनुमान है कि प्रति डिग्री सेल्सियस तापमान बढ ? पर वातावरण में 6 से 8व्र नमी बढ़ जाती है। यह बढ़ी हुई नमी मानसून की हवाओं को तेजी से सक्रिय कर सकती है। वैंकि तापमान बढ ? के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलाया दिया है।

बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है। जल्दी मानसून के कुछ वैंकि कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन हिन्द महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक वैंकि मौसमी घटना है। इसके अनुकूल चरण (चरण-3 और चरण-4 की शुरू आती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण वैंकि कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न-स्तरीय पवन धारा-मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है।

इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है। इंडियन ओशन डायपोल (ड्ढह्रष्ठ) का पॉजिटिव होना भी एक बड़ा कारण है। यह अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसूनी हवाएं तेज होती हैं और मानसून के जल्दी आने का कारण भी बन सकता है। अब जल्दी बरसात आने से माहनगरों की तैयारी अधूरी रही और चेन्नई, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहर डूब गए, लेकिन सबसे बड़ा संकट तो किसान का है। किसानी आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। यदि यह जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

यदि बुवाई के बाद अचानक भारी बारिश होती है, तो कोमल पौधे (अंकुरित फसल) नष्ट हो सकते हैं या मिट्टी की ऊपरी परत कठोर हो सकती है, जिससे पौधों के बढ ? में बाधा आती है। अगर कोई फसल पहले से ही पक चुकी है या कटाई के करीब है और मानसून जल्दी आ जाता है, तो भारी बारिश से फसलें खराब हो सकती हैं, उनमें फंगस लग सकता है या वे खेत में ही सड़ सकती हैं। कुछ फसल को एक निश्चित शुष्क अवधि की आवश्यकता होती है, और जल्दी मानसून से उनका सामान्य फसल चक्र बाधित हो सकता है।

महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश ने बड़े पैमाने पर फसलों को प्रभावित किया है। राज्य में समय से पहले मानसून के सक्रिय होने से किसानों की चिंताएं और बढ़ गई है। आम, अनार, नींबू जैसी बागवानी फसलों के साथ साथ बाजरा, मक्का की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश की सबसे ज्यादा मार प्याज किसानों पर पड़ी है। इसके अलावा सोयाबीन और उड़द एवं मूंग जैसी फसलों के प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। मई महीने में हो रही बारिश के कारण 29,483 हेक्टेयर फसल, खासतौर पर आम, अनार, संतरा, मीठा नींबू और सब्जियों जैसी बागवानी फसल को नुकसान पहुंचा है। नासिक में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारी बारिश के कारण बागवानी के आलावा बाजरा, मक्का, जैसी फसल को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों को इस बारिश ने परेशान कर दिया है, खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ के ऐसे किसान जो आगामी खरीफ सीजन के लिए अपने खेतों को तैयार करने में जुटे थे। किसानों के मुताबिक सोयाबीन के लिए जुताई और कतार बनाने के मामले में खेत की तैयारी अभी पूरी नहीं हुई है। बारिश ने काम रोक दिया है। बुवाई का काम खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद भी शुरू होता है। मूंग और उड़द जैसी फसलों के लिए बुवाई का समय कम होता है, जबकि कपास और सोयाबीन जैसी फसल के लिए यह समय लंबा होता है। किसानों को चिंता है कि कहीं यह बारिश बुवाई के दौरान मुश्किल न बन जाए। सामान्य मानसून से किसी भी प्रकार का विचलन, चाहे वह जल्दी हो या देर से, दूरगामी परिणाम पैदा कर सकता है, जिसका असर कृषि, ग्रामीण आजीविका, समग्र अर्थव्यवस्था और यहां तक कि सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ सकता है। जल्दी मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

(लेख में विचार निजी है)

एआई और महिला सशक्तिकरण: डिजिटल युग में समानता की ओर बढ़ते कदम

सावित्री ठाकुर

आज के इस तेज गति वाली 21वीं सदी में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नित नई संभावनाएँ उभर रही हैं, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों के माध्यम से। एआई न केवल महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के नए अवसर प्रदान कर सकता है, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी समान भागीदार बनाने में मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 समिट से लेकर वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम तक, हर मंच पर 'वूमेन-लेड डेवलपमेंटइ को बढ़ावा देने की बात कही है। इसके तहत महिलाओं को केवल विकास का लाभार्थी ही नहीं बल्कि नेतृत्वकर्ता भी माना जा रहा है। एआई इस दृष्टि से कई प्रकार से देश की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा सकता है। चाहे रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना हो या शिक्षा एवं कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुगम बनाना, एआई हर क्षेत्र में अहम भूमिका निभा सकता है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में भी एआई महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। घरेलू हिंसा और उत्पीड ? की निगरानी के लिए एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स और मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं, जो महिलाओं के खिलाफ अपराधों को चिन्हित करने और उनके रोकथाम में मदद करेंगे। इसके अलावा, एआई-पावर्ड चैटबॉट्स कानूनी और सुरक्षा संबंधी सलाह देने में मददगार हो सकते हैं, जिससे महिलाएं किसी भी परिस्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। इन चैटबॉट्स का इस्तेमाल विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के पोर्टल पर भी किया जा सकता हैं जिससे महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के बारे में आसानी से पता चल सकें। डेटा एनालिटिक्स की मदद से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। एआई संचालित डिजिटल वेरिफिकेशन के जरिए फर्जी लाभार्थियों की पहचान कर जरूरतमन्द लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है। एआई के उपयोग को लेकर 2018 में, भारत सरकार ने 'नेशनल स्ट्रैटेजी फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसइ की शुरूआत की, जिसका मकसद कुछ खास क्षेत्रों में एआई के विकास को बढ़ावा देना था। वर्ष 2021 में, 'रिस्पॉन्सिबल एआईइ पर एक ड्राफ्ट पेश किया गया, जिसमें नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दिया गया। इस नेशनल स्ट्रैटेजी को 'एआइ फॉर ऑलइ की थीम पर तैयार किया गया है। विगत वर्ष, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'मेकिंग एआई इन इंडियाइ और 'मेकिंग एआई वर्क इन इंडियाइ के विज? पर चलते हुए 10,371.92 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ राष्ट्रीय स्तर के इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी थी। ये मिशन, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों और साझेदारियों के माध्यम से एआई नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक वृहद इकोसिस्टम स्थापित करेगा। हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और फ?ांस की सह-अध्यक्षता में आयोजित पेरिस एआई शिखर सम्मेलन 2025 में एआई को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था, ताकि यह सभी वर्गों के लिए उपयोगी साबित हो सके। इसी संदर्भ में, एआई महिलाओं की सुरक्षा और लैंगिक हिंसा की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभा सकता है। एआई-आधारित निगरानी प्रणाली सार्वजनिक स्थलों पर लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ की घटनाओं की पहचान कर अपराधी को चिन्हित करने में मदद कर सकती है। साइबर सुरक्षा में एआई का उपयोग ऑनलाइन उत्पीड? और साइबर बुलिंग जैसी समस्याओं से निपटने में किया जा सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित आपातकालीन अलर्ट सिस्टम महिलाओं को तुरंत सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और भी सुदृढ़ होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई का उपयोग भी महिलाओं के लिए वरदान साबित हो सकता है। हाल ही में स्वीडन में हुई एक क्लीनिकल स्टडी में पाया गया कि एआई आधारित मैमोग्राफी सिस्टम 29 प्रतिशत अधिक स्तन कैंसर के मामलों की पहचान कर सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स डॉक्टरों को जटिल बीमारियों की पहचान करने और उनके उपचार में मदद कर सकता है। खासकर, यह तकनीक हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर सकती है और संभावित जटिलताओं को रोकने में सहायक हो सकती है। 'विकसित भारत 2047इ के विजन के तहत, भारत को एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक है। एआई न केवल महिलाओं के लिए नए अवसरों का सृजन कर सकता है, बल्कि उन्हें समाज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए सक्षम भी बना सकता है।

धर्म आधारित सियासत का दौर जोरों पर

सियासत चाहे वह भारत की हो या फिर किसी और देश की, वह देश में रहने वालों के सापेक्ष ही होती है। भारत में विविध धर्मो और पंथों के लोग रहते हैं और यह बात किसी से भी छिपी नहीं है कि यहां की सियासत में धर्म का उपयोग होता रहा है। धर्म आधारित सियासत के कारण ही 1947 में देश का विभाजन हुआ और भारत तथा पाकिस्तान विश्व के नक्शे पर दो राष्ट्र के रूप में उभरे। लेकिन भारतीय संविधान का आधार धर्मनिरपेक्षता है, जिसकी नजर में सभी धर्म व पंथ एक समान हैं। वस्तुतः यह बात सही भी है, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस देश में धर्म के आधार पर राजनीति ब्रिटिशकाल से जारी है। पहले समाज सुधार आंदोलनों के तहत 1875 में आर्य समाज की स्थापना और बाद में 1906 में मुस्लिम लीग का गठन। यह सियासत तब और जोर पकडने.लगी जब 1925 में महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। आजादी के बाद भी धर्म की घुसपैठ लोकतांत्रिक सियासत में बनी रही। हालांकि प्रारंभिक दौर में इसके प्रभाव कम दिखते थे, लेकिन 1980 के दशक के बाद से इसका प्रभाव रोज-ब-रोज बढ़ता जा रहा है। मौजूदा सच्चाई यह है कि आज हिन्दुत्व का एजेंडा सियासत के केंद्र में है। निश्चित तौर पर इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है, लेकिन कांग्रेस की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। आज की पीढ़ी भले ही शाहबानो केस के बारे में नहीं जानती हो, लेकिन सत्य तो यही है कि राजीव गांधी के कार्यकाल के समय से ही कांग्रेस नरम हिन्दुत्व की पक्षधर रही है। हालांकि उसने खुलकर हिन्दुत्व का पक्ष नहीं लिया है। लिहाजा उसकी विरोधी उसके ऊपर तुष्टिकरण का आरोप लगाती रही है। बीते 27 जनवरी, 2024 को मध्य प्रदेश के महू-जो कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्मस्थान है-वहां एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं के द्वारा प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के मौके पर स्नान करने पर कटाक्ष किया कि स्नान करने से क्या गरीबी दूर हो सकती है? उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के नेतागण केवल फोटो खिंचवाने के लिए ऐसा करते हैं। हालांकि खरगे ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि उनके बयान से यदि किसी को किसी प्रकार का ठेस पहुंची हो तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं, लेकिन सियासत में बयानों का महत्त्व वही होता है जो धनुष से निकले तीर का होता है। भाजपा के नेताओं ने खरगे के बयान की आलोचना की और उनके बयान को सनातन धर्म के अपमान से जोड़ा। इस मामले में कांग्रेस को भी एक तरह से बैकफुट पर जाना पड़ा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को मल्लिकार्जुन खरगे के बचाव में आना पड़ा और उन्हें यह कहना पड़ा कि यह सनातन धर्म का अपमान कैसे हो सकता है?

सनातन धर्म कहता है कि राजा को हमेशा अपने जन के कल्याण के बारे में सोचना चाहिए।

धर्म के बहाने वे बेरोजगारी को बढ़ावा नहीं दे सकते और कानून-व्यवस्था को बर्बाद नहीं कर सकते।

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1352

संकेत: बाएं से दाएं

1. 17 जुलाई 1919 का इस देश संविधान अंगीकार किया गया (4)
4. यह कीड़ों द्वारा बनाया गया एकलौता ऐसा पदार्थ है जिसे इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
7. ऊनी कालीन या मोटे गद्दे को यह भी कहते है (3)
9. हमला या आक्रमण करने की क्रिया, सप्ताह का दिन (2)
10. प्रस्थिति, प्रेषिति, गमन (3)
12. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
14. शरीर रोम, पशु रोम (2)
15. पुराणानुसार अमृत मंथन के समय निकला प्रचंड विष (4)
17. दयावान, कृपालु, हमदिल (3)
18. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो गाल प लटके (2)
21. शासक मंडल, हुक्मरान, शासक वर्ग (4)
22. पृथ्वी के भूपटल पर निचले और समतल क्षेत्र यह कहलाते है (3)
24. शैन, शनै आगे प्रेषित करना, अपनी जगह से हिलाना (4)

ऊपर से नीचे

1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
2. जननेन्द्रीय, लिंगीय (3)
3. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
5. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारित होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
6. भाव, मूल्य, निर्ख (2)
8. आलेप, प्रलेप, लोशन (4)
11. वृत्ताकार, गोलाई लिए हुए (5)
13. पुराणानुसार विभीषण की बड़ी बेटी का नाम (2)
16. पैंडेंट, प्रालंब (4)
19. एक प्रकार का मादक पदार्थ (3)
20. वेस्टइंडीज के ग्रेटर एंटीलीज समूह का द्वीप जिसकी राजधानी किंगस्टन है (3)
21. कठोर व्यवहार, निर्दयता (2)
23. आखेटचारा, चबैना, कण (2)

वर्ग पहेली 1351 का हल

इ	ज	रा	इ	ल		रू	स
ब	ल	वी	र		ज	ना	ब
ति	या		ला	ल		लै	ब
दा	न	व		ह	म	ला	
ई		ह	स	र	त		
	रा	शि		दा	ल	रो	टी
मृ	ग	या		र	ब		च
ग		ना	ते			दौ	र

एकदा

क्या नई पीढ़ी का वर्तमान सोनम है ? या महज एक साजिश का खुलासा

आज दिन भर देश की मीडिया की जुबान पर एक ही नाम सोनम छाया रहा है। विगत 23 मई से देश की तमाम पुलिस अधिकारियों की टीम मप्र के इंदौर की सोनम को ढूंढ रही थी। 27 वर्षीय सोनम की शादी इंदौर के ही राजा रघुवंशी के साथ 11 मई को हुई थी और 21 मई को सोनम अपने पति राजा के साथ हनीमून मनाने गोहाटी से होते हुए मेघालय गयी थी। विगत 8 जून को उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम के भाई की सूचना पर बनारस गाजीपुर एक्सप्रेस वे पर एक ढाबे से पकड़ा वह 17 दिन से अदृश्य थी ।कल से पहले सोनम और राजा के गुम होने में दोनों के कत्ल की आशंका थी। मगर मेघालय पुलिस ने राजा रघुवंशी के कत्ल में तीन अन्य के साथ सोनम का नाम भी शामिल बताया और जो घटनाक्रम बताया उससे पूरा देश हड़प्रभ है ।अब से पहले इंदौर में मप्र के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने केंदीय सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह से पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। यह इस घटना का एक पहलू है लेकिन दूसरा पहलू बहुत ही भयावह है कि आखिर नई पीढ़ी की सोच को क्या हो गया है अपनी सामाजिक तानाबाना चरमरा गया है क्यों शिक्षा प्रणाली फेल हो रही है। पारिवारिक संस्कार खत्म हो गये हैं। नई पीढ़ी को कानून का ज्ञान भी नहीं है ।सोनम जैसे कई किस्से सामने आ रहे हैं। अभी हाल में नीले ड्रम में पति को सीमेंट कंक्रीट में दफनाया गया।

0 अजय दीक्षित

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। आज व्यस्तता से भरी दिनचर्या रहेगी, फिर भी आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा लेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढेगा। आज काम करने के तरीको में बदलाव न कर-के मौजूदा स्थिति पर ही फोकस करेंगे। आज बिजनेस के कामों में कोई भी फैसला लेते वक्त परिवार वालों की सलाह जरूर लें,

मिथुन राशि- आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। आज नया सीखने की चाहत आपके अनुभव को और अधिक बढ़ाएगी। आज कोई भी समस्या होने पर अनुभवी लोगों का सहयोग मिलने से समस्या दूर होगी।

कर्क राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है। आज ऑफिस में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने का बेहतरीन समय है।

सिंह राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक खत्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। आज व्यवसाय में भविष्य की कार्य योजनाओं के लिए उचित मंथन करने की जरूरत है। आज व्यवसायिक कामों में सहयोगियों और जीवनसाथी के निर्णय को प्राथमिकता देंगे।

कन्या राशि- आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज अपनी दिनचर्या को लेकर बनाए गए नियम आपको राहत देंगे तथा कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न होते जाएंगे। आज किसी विशेष पॉलिसी में निवेश निकट भविष्य में फायदेमंद साबित होगा।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज जरुरी काम के लिए समय निकालना मुश्किल होगा, लेकिन दोपहर बाद समय मिल जायेगा। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन ठीक - ठाक बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और शैक्षिक कार्यो में सफलता मिलेगी। लेखन, बौद्धिक आदि कार्यो से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी पर भी भरोसा करने से पहले सोच विचार अवश्य कर लें।

धनु राशि- आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आपको गतिविधियों को गोपनीय रखना होगा साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। आज दूसरों से मदद की उम्मीद ना रखकर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें। ध्यान रखें कि आपकी जिद से आपका काम खराब हो सकता है।

मकर राशि- आज आपके लिए दिन पाजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी बनी रहेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने क्षेत्र में अच्छी मेहनत करेंगे। आज दिन की शुरूआत में कोई उलझन रह सकती है, लेकिन परिवार की मदद मिलेगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आज आप पर अधिक जिम्मेदारियां रहेंगी जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। नए लोगों से जुड़ने से आपको कई बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताने से आप अपने अंदर शांति महसूस करेंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज कारोबारी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में अभी और कोशिश करनी होंगी। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर बनाएंगे। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपका उचित तालमेल बना रहेगा।

नहीं पता है गोत्र तो बिना दोष के ऐसे करें विवाह

हिन्दू धर्म में एक ही गोत्र में शादी करने की मनाही होती है। मान्यता है कि इससे संतान दोष उत्पन्न होता है। इसलिए शादी से पहले कुंडली मिलवाई जाती है ताकि गुण मिलने के साथ-साथ गोत्र का भी पता चल सके और उसके बाद विवाह की बात आगे बढ़े। वहीं, कई बार ऐसा भी होता है कि लोगों को अपना गोत्र नहीं पता होता है या फिर जिससे शादी करना चाहते है उसका गोत्र पता नहीं होता है। ऐसे में आप बिना गोत्र मिलाए या जाने भी शादी कर सकते हैं. उसके लिए आपको ज्योतिष एक्सपर्ट का यह एक सरल उपाय करना है।

- एक छोटी सी विधि है जिसके माध्यम से आप गोत्र की बाधा को दूर कर अपने होने वाले जीवनसाथी के साथ विवाह कर सकते है।
- अगर आपको अपना या अपने पार्टनर का गोत्र नहीं पता है तो कुंडली दिखवाकर सबसे पहले कुंडली (कुंडली में कमजोर शुक्र के उपाय)का आसर पता लगाएं।
- फिर उस आक्षर से एक नया नाम रखें। यह नाम सिर्फ इस विधि के लिए होगा आपको अपना असली नाम बदलने की जरूरत नहीं है।
- उस नए नाम के आधार पर यह स्वामी और ऋषि का पता लगाए। जो यह ऋषि आपके नए नाम के स्वामी होंगे वही आपका गोत्र होगा।
- उदाहरण के तौर पर अगर आपके नए नाम के अनुसार आपके ग्रह ऋषि कश्यप हैं तो आपका गोत्र कश्यप गोत्र होगा।
- इसके बाद आप या तो किसी पंडित की मदद से संतान दोष हवन कर सकते हैं या फिर संतान गणपति स्तोत्र के पाठ से दोष दूर कर सकते हैं।
- इसके लिए आपको बुधवार के दिन संतान गणपति स्तोत्र के 51 पाठ करने हैं। ऐसा आपको 51 बुधवार (बुधवार की आरती) तक करना होगा।
- अगर आप भारत में रहते हैं तो हवन करने के लिए आपको पंडित मिल जाएंगे लेकिन विदेश में रहने वालों के लिए यह स्तोत्र कारगर है।
- इस तरह आपको एक नया गोत्र मिल जाएगा, संतान दोष भी उत्पन्न नहीं होगा और आप उस गोत्र को मिलान कर विवाह कर सकते है।

हिंदू धर्म में गोत्र की है बहुत मान्यता

क्या है गोत्र और शुरू कहां से हुआ?

शादी-ब्याह की बात हो या फिर तर्पण और किसी शुभ कार्य में पूजा की, पंडित जी हमेशा आपसे गोत्र पूछते होंगे। गोत्र क्या है यह परिवार के किसी बुजुर्ग को पता होगा। शादी के बाद कन्या का गोत्र बदलकर जिस परिवार में शादी हुई है उसका गोत्र बदल जाता है। क्या आपको पता है कि इस गोत्र का क्या मतलब है?

हिंदू धर्म की बात करें, तो ऐसे कई रीति-रिवाज है जिन्हें अब हम आउटडेटेड मानने लगे है। ऐसा लगता है कि इनकी जरूरत अब नहीं बची है। फिर भी हिंदू धर्म में ऐसे कई रिवाज हैं जिनसे पुराने जमाने के ऋषि मुनियों की दूरदृष्टि को देखा जा सकता था। ऐसा ही कुछ है गोत्र का लॉजिक भी। इसे हिंदू धर्म के सबसे पुराने लॉजिक में से एक माना जाता है। कई लोग गोत्र को कोई रिवाज समझते हैं जबकि ऐसा नहीं है। गोत्र सही मायने में एक लॉजिक ही है जिसके सहारे हिंदू धर्म की वंशावली बनी है।

गोत्र शब्द कहां से आया?

यह एक संस्कृत शब्द है और जब भी हम संस्कृत भाषा में ऐसे ही शब्द खोजते हैं तब वंश, कुल, जाति आदि सब मिलता है। पर ये सब कुछ परिवारों तक सीमित रहता है, जबकि गोत्र पूरे भारत में फैला हुआ है। एक गोत्र के लोग उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम कहीं भी हो सकते हैं और जरूरी नहीं कि वो एक ही वर्ण के हों। गोत्र शब्द के बारे में महर्षि पाणिनि ने बताया है। उन्होंने अपने एक काव्य में लिखा है कि गोत्र आपके पुत्र या पुत्री से नहीं बनता, गोत्र आपके पौत्र, उनके पौत्र और उनके पौत्रों से बनता है। कई जगह वेदों में भी गोत्र का जिक्र है, जैसे ऋग्वेद में इसके बारे में लिखा गया है। गोत्र को एक सीमा है जो आपके लिए निर्धारित की गई है।

कहां से बनी है गोत्र व्यवस्था?

महाभारत काल में मुख्य 4 गोत्र माने गए थे, अंगिरस, कश्यप, वशिष्ठ और भृगु। बाद में इनमें से और जुड़ते चले गए। इसमें अत्रि, जमदग्नि, विश्वामित्र और अगस्त्य जुड़े और ये आठ ऋषि बन गए। पर बात यहीं खत्म नहीं होती। आठ ऋषियों के साथ एक सप्तऋषियों की मान्यता भी है। माना जाता है कि गोत्र व्यवस्था को सप्तऋषियों ने बनाया था। ये सप्तऋषि थे विश्वामित्र, जमदग्नि, गौतम, वशिष्ठ, अत्रि, भारद्वाज, कश्यप।

अब भले ही इसकी शुरुआत सप्तऋषियों या फिर एक अन्य मान्यता के अनुसार आठ ऋषियों ने की हो, लेकिन आज के समय में लगभग 108 तरह के गोत्र हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी एक गोत्र की कई शाखाएं हो सकती हैं जैसे कश्यप गोत्र की शाखाओं में कर्दम, बड़, सूर्यवंशी, चंद्रवंशी आदि शामिल हैं।

गोत्र और जाति नहीं होती एक

अब सबसे पहले बात करते हैं जाति की। कई लोगों मानते हैं कि गोत्र और जाति एक ही होती है। गोत्र का संबंध वंश से होता है ना कि जाति से। जाति को हम सामाजिक मान्यता कह सकती है। जातियों को बहुत बाद में बनाया गया, लेकिन शुरुआती दौर में वंश और गोत्र ही महत्वपूर्ण माने गए थे। इसलिए गोत्र और जाति एक ही नहीं होती है।

शादी के बाद क्यों बदलता है गोत्र?

हिंदू धर्म में जितनी भी मान्यताएं हैं उनमें से ज्यादातर पितृसत्तात्मक हैं। गोत्र में भी कन्या पहले अपने पिता का गोत्र रखती है और शादी के बाद उसका गोत्र बदलकर उसके पति का हो जाता है। जो कन्यादान होता है, असल में कन्या का दान नहीं गोत्र का दान होता है जहां माता-पिता अपनी पुत्री को किसी और गोत्र के व्यक्ति को सौंपते हैं। यही कारण है कि शादी के बाद लड़की का गोत्र बदल जाता है। हिंदू धर्म में मान्य वंश परंपरा के आधार पर लड़की का विवाह एक ही गोत्र में नहीं हो सकता।

गोत्र का साइंटिफिक कारण

गोत्र सिस्टम को आप डीएनए डिसऑर्डर्स को रोकने का एक तरीका मान सकते हैं। दुनिया की किसी भी सभ्यता में इसे रोकने का कोई तरीका नहीं बताया गया है। लेकिन हिंदू धर्म में इसे बताया गया है। सप्तऋषियों की ये प्रथा कि कि कोई भी व्यक्ति एक ही गोत्र में शादी नहीं करेगा। ऐसा करना धर्म के विरुद्ध है। पर जब हमने गोत्र को समझा कि ये एक ही वंश के लोगों की बात हो रही है, तो समझ आता है कि एक गोत्र वाले लोग एक ही ऋषि के वंशज हैं।

ऐसे में अगर एक ही गोत्र में शादी होती है, तो जेनेटिक डिसऑर्डर सामने आ सकते हैं और बच्चों को तकलीफ हो सकती है। अगर धार्मिक तरीके से देखें, तो एक ही गोत्र में जन्मे लोग भाई-बहन मान लिए जाते हैं। रिसर्च इस बात की पुष्टि करती है कि इनब्रीडिंग या सगे-संबंधियों के शादी करने से जेनेटिक डिसऑर्डर हो सकते हैं। ऐसे कई उदाहरण हम ब्रिटिश रॉयल फैमिली में भी देख सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ चेहरे की बनावट पर भी इनब्रीडिंग से असर पड़ता है। यही कारण है कि गोत्र को साइंटिफिक माना जाता है।

क्या एक गोत्र में शादी करने का है कोई तरीका?

साइंस भी यह मानती है कि 7 पीढ़ियों के बाद डीएनए में बदलाव आ जाता है। हिंदू धर्म में भी 7 पीढ़ियों का जिक्र किया जाता है। यहां भी यही माना जाता है कि 7 पीढ़ियों के बाद आतवीं पीढ़ी एक ही गोत्र में शादी कर सकती है।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी

भगवान गणेश के साथ चंद्रमा की पूजा का विधान

चतुर्थी के दिन गणेश जी का पूजन किया जाता है। बप्पा को प्रसन्न करने के लिए यह दिन खास होता है। आयु, सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। भगवान गणेश के साथ-साथ इस दिन चंद्रमा की पूजा का भी विधान है। चंद्रमा की पूजा के बिना ये व्रत अधूरा माना जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। हर चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है, इसलिए इस दिन भी विधि-विधान से बप्पा की पूजा की जाती है। साथ ही व्रत भी रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन में व्याप्त सभी संकट दूर होते हैं। यह चतुर्थी कृष्ण पक्ष में पड़ती है, इसलिए इसे कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है।

इस तिथि पर भगवान गणेश की विशेष पूजा करने से सभी प्रकार के शारीरिक और मानसिक कष्टों से छुटकारा मिलता है। चतुर्थी तिथि के दिन चंद्र देव की भी पूजा की जाती है। यह महत्वपूर्ण होती है। रात के समय चंद्रमा की पूजा की जाती है और इसके बाद व्रत खोला जाता है।

कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

- कृष्णपिंगल संकष्टी चतुर्थी के दिन खुद जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- फिर व्रत का संकल्प करें। सूर्य देव को अर्घ्य दें।
- इसके बाद मंदिर की साफ-सफाई करें।
- फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। भगवान को हल्दी और कुमकुम का तिलक लगाएं।
- चावल और फूल चढ़ाएं। घी का दीपक जलाएं।
- बप्पा को मोदक, मिठाई और फल का भोग लगाएं।
- भगवान गणेश के मंत्रों का जाप करें।

कारोबार में नहीं मिल रही बरकत, तो गुरूवार को करें पीले फूल के ये खास उपाय.. भगवान विष्णु सहित मां लक्ष्मी का भी मिलेगा आशीर्वाद

अगर आप अपने कारोबार में लगातार चुनौतियों का सामना और बरकत की कमी महसूस कर रही हैं, तो ज्योतिष शास्त्र में कुछ सरल उपाय बताए गए हैं, जो आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। दरअसल गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित है और इस दिन पीले रंग का विशेष महत्व होता है। ऐसे में, आप अगर गुरुवार को पीले फूलों से जुड़े कुछ खास उपाय करती है, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी दोनों का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। साथ ही, आपके कारोबार में आ रही विघ्न-बाधाएं दूर होकर उन्नति के मार्ग खुल सकते हैं। तो आइए इन सरल और प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

भगवान विष्णु को अर्पित करें पीले फूल

गुरुवार के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होकर भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीले रंग के फूल जैसे गेंदा या कनेर अर्पित कर सकती हैं। पीले रंग को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है और ऐसा करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है, जिससे कारोबार में स्थिरता और वृद्धि होती है। फूल अर्पित करते समय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें।

मां लक्ष्मी को चढ़ाएं पीले गेंदे का फूल

यदि संभव हो तो गुरुवार के दिन मां लक्ष्मी को पीले गेंदे का फूल चढ़ाएं। पीला गेंदा धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और इसे मां लक्ष्मी को अर्पित करने से आपके कारोबार में धन का आगमन बढ़ता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

कार्यस्थल पर रखें पीले फूल

गुरुवार के दिन अपने कार्यस्थल पर पीले रंग के ताजे फूल रखें। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और व्यवसाय में अनुकूल माहौल बनाता है। आप फूलों को गुलदस्ते में रख सकती हैं।

- कनेर फूलों से करें विष्णु और लक्ष्मी की आरती
- गुरुवार की शाम को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आरती करते समय कनेर के फूलों का उपयोग करें। आप फूलों को आरती की थाली में सजा सकते हैं या उन्हें भगवान की प्रतिमा पर अर्पित कर सकते हैं। यह उपाय भक्ति और श्रद्धा को बढ़ाता है, जिससे व्यापार में सफलता मिलती है।
- गुरुवार के दिन इन उपायों को करते समय रखें इन बातों का ध्यान
- उपाय करते समय आपकी भावना शुद्ध और सकारात्मक होनी चाहिए।
- भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी पर पूर्ण विश्वास रखें।
- अपने कर्मों पर ध्यान दें और ईमानदारी से अपना कारोबार चलाएं।
- किसी भी प्रकार के गलत या अनैतिक कार्यों से बचें।

सुदर्शन पैकरा को मिला मनेंद्रगढ़ बीईओ का अतिरिक्त प्रभार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। एमसीबी कलेक्टर ने आदेश जारी करते हुए भरतपुर में पदस्थ सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुदर्शन पैकरा को विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनेंद्रगढ़ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह प्रभार नवीन नियुक्ति होने तक या अगले आदेश तक प्रभावशील रहेगा।
बता दें कि राज्य शासन के निर्देशों के तहत शालाओं एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई आयुक्त सरगुजा द्वारा 9 जून 2025 को कलेक्टर मनेंद्रगढ़ के पत्र के आधार पर की गई है।

न्यूज गैलरी

अवैध शराब परिवहन करते 2 युवक गिरफ्तार

कार सहित 1 लाख 80 हजार की अवैध शराब जब्त

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले की खोंगापानी और मनेंद्रगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम ने अवैध शराब परिवहन करते 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। युवकों के पास से 1 लाख 80 रूपए कीमत की अवैध शराब मारूति कार में परिवहन करते जब्त की गई है।
खोंगापानी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की 2 व्यक्ति एक कार में शराब बिक्री करने हेतु आ रहे हैं। सूचना पर खोंगापानी और थाना मनेंद्रगढ़ से पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम द्वारा खोंगापानी सीआईएसएफ कैंप के सामने शराब परिवहन करने वाले 2 युवकों को पकड़ा गया। नाम पूछने पर सूरज चंदेल पिता मन्ना 31 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 3 मौहारपारा मनेंद्रगढ़ एवं सुजीत कुमार उर्फ राजा पिता जीत साय पनिका 25 वर्ष निवासी ग्राम सेंधा पुलिस चौकी नागपुर थाना पोड़ी बताया गया। आरोपियों

खदान के बाहर प्रदर्शन करने वाले लोगों पर ट्रक चढ़ाने की कोशिश, नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर जुटे थे लोग

कोरिया पांडवपारा। एसईसीएल खदान में नौकरी और मुआवजा की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे ग्रामीणों पर ट्रक चढ़ाने का प्रयास एसईसीएल प्रबंधन द्वारा किया गया जिससे बड़ा हादसा होते-होते बच गया। जिस संदर्भ में ग्रामीणों ने एसईसीएल मैनेजर भूपेंद्र पांडेय सुरक्षा गार्ड पुरन सिंह,आजाद खान,शिवव्रत पांडेय पर जानलेवा हमला का आरोप लगाते हुए एसपी को ज्ञापन सौंपा है।
ग्रामीणों का आरोप है कि ३० मई जब हम शांति पूर्वक अपनी मांग को लेकर हड़ताल कर रहे थे तो एसईसीएल मैनेजर भूपेंद्र पांडेय ने सुरक्षा गार्ड पुरन सिंह,आजाद खान,शिवव्रत पांडेय व ट्रक ड्राइवर

राज कमल कुशवाहा ने कोयला से लदा ट्रक से प्रदर्शन कर रहे हड़ताली कर्मियों पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश करते हुए ट्रक पार की। जान बचाने की कोशिश में कई महिलाओं को चोटे भी आई हैं। इस घटना के दौरान सुरक्षा गार्ड आजाद खान ने गाली-गलौज भी की और ड्राईवर को बोल कर भीड़ में और तेज गाड़ी चलाने को कहा जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर उपलब्ध है। पीड़ितों ने इस गंभीर घटना की शिकायत स्थानीय थाना पटना में दर्ज कराई लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके बाद, पीड़ितों ने ९ जून को जिले के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी। स्क्क ने मामले की जांच कराने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है।
आंदोलनकारी किसानो ने कहा कि जब तक उन्हें उचित मुआवजा और नौकरी नहीं दी जाती,तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन और प्रबंधन मिलकर उनकी आवाज को दबाना चाहते हैं।
पुलिस की निष्क्रियता पर स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि किसान, गरीब मजदूरों की आवाज को अनसुना करना न्याय के साथ अन्याय है।
इस दौरान प्रवीण दुबे,
सोमार साय,बबन यादव,गोरेलाल, अवधेश कुशवाहा सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।
एसईसीएल प्रबंधन की ओर से इस विषय पर प्रतिक्रिया देना मनाही है। एसईसीएल प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान आने का इंतजार ही है।

जलप्रपातों के आसपास नहाने और सेल्फी लेने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

अमृतधारा जलप्रपात में नहाते पकड़े गए दो युवकों को परिजनों की समझाइश पर रिहा किया गया

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ जिले में अनेक खूबसूरत जलप्रपात स्थित हैं, जिनमें अमृतधारा, रमदहा तथा कर्म घोंघा जिले के प्रमुख जलप्रपात हैं। इन प्राकृतिक स्थलों पर लगातार पर्यटकों की भीड़ उमड़ती है, लेकिन लापरवाही भरे व्यवहार से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।
नागपुर तहसीलदार समीर शर्मा के नेतृत्व में अमृतधारा जलप्रपात पर कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार कृष गुप्ता पिता राजेंद्र प्रसाद 19 वर्ष निवासी बस स्टैंड के पास मनेंद्रगढ़ तथा मोहम्मद अरशद पिता समीम कुरैशी 20 वर्ष निवासी लोको कॉलोनी मनेंद्रगढ़ के दोनों युवक अमृतधारा जलप्रपात पहुंचे थे। इन्हें जलप्रपात के नीचे पानी के बेहद करीब नहाते हुए देखा गया, जिसके चलते इन्हें तत्काल गिरफ्तार कर

थाना नागपुर ले जाया गया। थाने में परिजनों के निवेदन पर दोनों युवकों को सख्त समझाइश देकर रिहा किया गया। यह पहला मामला नहीं है, इससे पूर्व भी जिले के विभिन्न जलप्रपातों में इस तरह की लापरवाहियों के कारण कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। इन्हीं घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सख्त चेतावनी जारी की है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति चाहे वह अकेले हो या समूह में जलप्रपात के आसपास नहाते हुए या सेल्फी लेते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी प्रकरण दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी पर्यटकों से अपील की है कि वे सुरक्षा मानकों का पालन करें और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद सुरक्षित दूरी से लें।

आरपीएफ की सतर्कता से ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी के आरोपी धराए

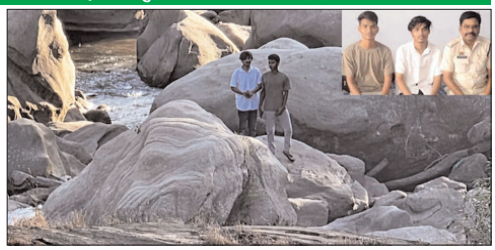

बिश्रामपुर - यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अपराध गुप्तचर शाखा, अनूपपुर द्वारा जून २०२५ में चलाए गए विशेष अभियान के तहत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जो ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी की घटनाओं में संलिप्त थे।
गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से कुल तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत ?४२,४८९/- है । इन सभी मामलों को जीआरपी अनूपपुर में अपराध क्रमांक ०१३/२०२५, ०३७/२०२५ एवं ०३३/२०२५ के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०५(ब) एवं ३०५(१) बीएनएस में पंजीबद्ध किया गया है।
रेलवे सुरक्षा बल समय-समय पर यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाती रही है। ऑपरेशन यात्री सुरक्षा, ऑपरेशन अमानत, तथा ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते जैसे अभियानों के माध्यम से न केवल यात्रियों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है, बल्कि खोए हुए सामान को यात्रियों तक पहुँचाने एवं गुमशुदा बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने जैसे मानवीय कार्य भी किए जाते हैं। रेलवे सुरक्षा बल पूरी तत्परता और समर्पण से अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है, आरपीएफ टीम ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

धरती आबा के तहत इन ग्रामों में लगेगी विशेष शिविर

कोरिया। कोरिया जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान १५ जून से आरम्भ हो रही है। जिले के १५४ ग्रामों का चयन किया गया है। जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर विशेष शिविर का आयोजन १६ जून को जगतपुर, रटगा, तिलवनडाड़, नगर, छरछा, उरूमदूगा, आनी, खाड़ा, आमगांव, फुलपुर, गदबदी में किया गया है।
१७ जून को जलियाडांड़, सारा, बांधपारा, डोहडापारा, पोटेडांड़, अमरपुर, मनसुख, चिल्का, सरईगहना, मुडिझरिया, मोदीपारा, १८ जून को जामपानी, चारपारा, झरनापारा, कदमनारा, कसरा, डबरीपारा, रामपुर, कोटकताल, जमगहना, हथवर, डकईपारा, १९ जून को मुरमा, चम्पाझर, पिपरडांड़ बरदिया, सोरगा, बिलारो, लोटानपारा, दुधनियाखुर्द, उमझर, विषुनपुर, जूनापारा, रकया में शिविर का आयोजन किया गया है। २० जून को सीतापुर, दुधनियाकला, चेरवापारा, शंकरपुर, डोंगरीपारा, ढोढीबहरा, करिलधोवा, सुरमी, सलबा, सलका, बकीरा, २१ जून को टेंगनी, माटीझरिया, रोबो, पिपरहिया, बस्ती, परचा, नरकेली, नरसिंहपुर, देवरी, कोट, पतरापाली, २२ जून को बड़गांव, डुभापानी, कोरचाडांड़, तेलाईधार, कंचनपुर, बासुदेवपुर, आमापारा, तामजीरा, बरपारा, चोपान, सनबोथापारा, २३ जून को जटासेमर, सत्तीपारा, रघुबीरपुर, गोल्हाघाट, जयपुर, कुडेली, सरभोका, बोडार, खोडरी, तरगवां, अमहर को शिविर लगाई जाएगी। २४ जून को पसला, शिवपुर, महोरा, मानपुर, खैरी, अंगा, पूटा, बरदिया, टेमरी, खोड, टेंगनी, २५ जून को नानभान, करहियाखाड़, पटना, सावांरावा, जामपारा, जमड़ी, डुमरिया, अंजोखुर्द, कोचिला, चिरगुडा, रनई, २६ जून को छिन्दिया, तेन्दुआ, धरमपुर, मदनपुर, करवा, जिलीबांध, बंजारीडांड़, गोंविदपुर, गढतर, सोंस, पटमा, २७ जून को चिरमी, इंदरपुर, खंधौरा, गणेशपुर, पडीता, छोटेसाल्ही, बडेसाल्ही, तामडांड़, जिल्दा, भरदा, छुरी, २८ जून को बारी, मुगुम, लोटाबहरा, टेडमा, बैमा, गेंजी, नटवाही, उज्ञांव, सिंघोर, किशोरी, अकलासरई एवं २९ जून को अमरा, भैंसवार, बदरा, रजौली, पोंड़ी, बेलिया, बसेर, कुशमाहा, मधौंरा, सुन्दरपुर, आनंदपुर में शिविर आयोजित किया जाएगा।
इन शिविरों में ग्रामीणों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, पेंशन योजनाएं, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, पीएम किसान निधि, मुद्रा लोन, विश्वकर्मा योजना समेत लगभग १७ योजनाओं का सीधा लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा। शिविरों में स्वास्थ्य, पंचायत, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, कृषि, खाद्य, राजस्व विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से डिजिटल सेवाएं जैसे आधार ई-केवाईसी और दस्तावेज सत्यापन भी की जाएंगी।

कौशल विकास योजनांतर्गत 16 जून से 02 जुलाई तक जिले में आयोजित होंगे कौशल शिविर

कोरिया। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निदेर्शानुसार, जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, कोरिया द्वारा वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रचार-प्रसार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।
यह शिविर १६ जून से ०२ जुलाई २०२५ तक जिले के चिन्हित ग्रामों एवं नगरीय निकायों में आयोजित किए जाएंगे। शिविरों का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण के लिए पात्र एवं इच्छुक युवाओं की पहचान कर उन्हें योजना की जानकारी देना तथा प्रशिक्षण हेतु पंजीयन कराना है। प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवक-युवतियों को शिविर स्थल पर पहुँच कर फार्म भरने एवं जानकारी प्राप्त करने हेतु आमंत्रित किया गया है।

शिविरों के सफल संचालन हेतु
विकासखंड स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिक्षा अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी, संकुल शैक्षिक समन्वयक को ग्राम समन्वय का दायित्व सौंपा गया है।.ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, मेट एवं आवास मित्र को फार्म वितरण एवं संकलन की जिम्मेदारी दी गई है।
ग्रामीण क्षेत्र में शिविर १६ जून को छिंदिया (बैकुण्ठपुर), बंजारीडांड (पोड़ी बचरा), लटमा (सोनहत), १७ जून को कटोरा, सोंस, घुघरा (सोनहत), १८ जून को गिरजापुर, तोलगा, अकलासरई (सोनहत), १९ जून को फूनपुर, अमका, बंशीपुर (सोनहत), २० जून को खरवत, पोड़ी, रामगढ़ (सोनहत), २३ जून को तलवापारा, सोनहत, २४ जून को सलका, कैलाशपुर, २५ जून को सरईगहना, २६ जून को बरपारा, २७ जून को बुडार, ३० जून को सरभोका, ०१ जुलाई को चम्पाझर, ०२ जुलाई को भांडी इसी तरह नगरीय क्षेत्र में २६ जून को नगरपालिका शिवपुर-चरचा, २७ जून को नगर पालिका बैकुण्ठपुर और ३० जून को नगर पंचायत पटना में सुबह ११ बजे से अपराह्न ४ बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।
इन शिविरों के माध्यम से जिले के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर स्थल में उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन दिवस, समय पर जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, कोरिया में सम्पर्क कर सकते हैं।

चोटिया बैकुंठपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का सपना रहा अधूरा, तंग सड़कों से जिला मुख्यालय का विकास अधूरा

कोरिया बैकुंठपुर। चोटिया बैकुंठपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की दिशा में की गई पहल से कोई ठोस निर्णय नहीं निकलने से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी नजर आ रही है कोरबा लोकसभा क्षेत्र के सांसद के द्वारा कोरिया जिले के लिए कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रहा है। जानकारी के अनुसार सांसद के इस प्रयास से लोगो बेहतर परिवहन की दिशा में एक सार्थक प्रयास माना जा रहा था। १५ जनवरी २०२५ को कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को एक औपचारिक आवेदन पत्र भेजा। पत्र में सांसद ने कटघोराझअंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥-१३०) के अंतर्गत स्थित चोटियां से लेकर बैकुंठपुर (कोरिया जिला) जो वर्तमान में ह॥-४३ से जुड़ता है, लगभग ७५ किलोमीटर लंबे मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अपील की है।

आवेदन के मुख्य बिंदु

औद्योगिक और खनिज धनी क्षेत्र
सांसद ने पत्र में उजागर किया कि कोरबा एवं बैकुंठपुर दोनों जिले औद्योगिक रूप से समृद्ध हैं और यहाँ आदिवासी बहुल आबादी निवास करती है। विशेष रूप से इस मार्ग पर कई प्रमुख कोयला खदानें—जैसे चोटियां, रानी अटारी, विजयपुर तथा चिरमिरी—संचालित हैं, जिसके कारण भारी वाणिज्यिक एवं यात्री आवागमन होता है।

यातायात एवं विकास संबंधी दबाव - यह मार्ग स्थानीय जनझजीवन एवं उद्योगों का एकमात्र परिवहन माध्यम होने के कारण अत्यधिक संकुचित व दबावपूर्ण हो गया है। सड़क पर बड़े वाहनों के लगातार आने-जाने के चलते सड़क की खराब स्थिति एवं दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

कनेक्टिविटी और कॉरिडोर लाभ
सांसद ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि इस मार्ग के राष्ट्रीय राजमार्ग में सम्मिलित होने से ह॥-१३० और ह॥-७८ के बीच एक मजबूत ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का निर्माण होगा, जिससे क्षेत्रीय संपर्क सुदृढ़ होगा और औद्योगिक व व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

प्रस्तावित लाभ
सड़क की बेहतर गुणवत्ता झ राष्ट्रीय राजमार्ग बनने पर केंद्रीय बजट के तहत सड़क की मरम्मत, चौड़ीकरण तथा रख-रखाव नियमित रूप से होगा। औद्योगिक विकास को बल झ कोयला खदानों व माल वाहकों को तेज व सुरक्षित परिवहन की दिशा में एक बेहतर विकल्प हो सकता है इस संबंध में निश्चित तौर पर पूर्व लोकसभा सांसद का पत्र बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा सकता है बावजूद इसके केंद्र सरकार के द्वारा आज तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लेने से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है।

ग्रामीणों ने अफसरों से बताई खाद, पानी, बिजली और शौचालय की समस्या

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुंदेली में एसडीएम मनेंद्रगढ लिंगराज सिदा ?, तहसीलदार श्रुति धुर्वे, जनपद पंचायत सीईओ वैशाली सिंह, खाद्य निरीक्षक, प्रोजेक्ट ऑफिसर, सरपंच एवं पंचगणों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई, जिसमें पटेलपारा, बैगापारा और नवाटोली क्षेत्र के ग्रामीणों से अधिकारियों ने सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।
बैठक में अनेक जमीनी समस्याएं सामने आई, जिनमें सबसे पहले पटेलपारा सहित पूरे बुंदेली ग्राम में बिजली लाइन अत्यधिक नीचे लटकने की समस्या प्रमुख रही जो जन सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत खतरनाक है, वहीं बैगापारा में पानी की व्यवस्था बेहद दयनीय है जहां केवल एकमात्र हैंडपंप है। उससे भी लाल पानी निकलता है जिसके कारण ग्रामीण जन प्रायः झिरिया और नदी के पानी पर निर्भर हैं। गांव में पीने के पानी की भारी समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अतिरिक्त राशन दुकान की छत से पानी का सीपेज होता है छड़ें बाहर निकल आई हैं। जिससे भवन की मरम्मत अनिवार्य हो गई है। नवाटोली में पेयजल के लिए कुएं की मांग की गई, क्योंकि वहां भी हैंडपंप काम नहीं कर रहा। कृषकों ने अपनी बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि उन्हें खाद और बीज के लिए 40 किमी दूर चैनपुर आना पड़ता है। यदि यह सुविधा ग्रामीणों को बंजी में ही मिल जाए तो समय और संसाधन दोनों की बचत हो सकती है। स्कूल परिसर में शौचालय की स्थिति भी चिंताजनक पाई गई। स्ट्रक्चर बने हुए हैं, लेकिन मरम्मत की आवश्यकता है इसके अलावा नवाटोली से वनग्रामपारा स्कूल जाने वाले रास्ते में पुलिया नहीं होने से बारिश के समय विद्यार्थियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने पुलिया निर्माण की मांग की साथ ही यह भी बताया कि बुंदेली सहित आसपास के 5-6 ग्राम पंचायतों में बिजली विभाग का लाइनमैन नियुक्त नहीं है। जिससे किसी भी विद्युत समस्या के समाधान में भारी परेशानी आती है। ग्रामीणों ने लाइनमैन की शीघ्र नियुक्ति की मांग रखी बैठक में शामिल अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लिया और शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया।

हरे रंग की साड़ी में वामिका गब्बी ने बिखेरा देसी जलवा, फैंस बोले- बहुत सुंदर

एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने अपने देसी अंदाज से एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. भूल चुक माफ के प्रमोशन के लिए वामिका ने ग्रीन कलर की साड़ी में अपना नया लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो देखते ही देखते वायरल हो गया है. इस ट्रेडिशनल लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं और फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. इस लाइट ग्रीन साड़ी को उन्होंने पिंक स्ट्रैपलेस ब्लाउज के साथ स्टाइल किया है. मिनिमल मेकअप, हाथों में गुलाबी चूड़ि ों और बालों को पीछे बांधकर वामिका ने सिंपल लेकिन एलीगेंट लुक कैरी किया है. पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, तितली को पाने की अगर थोड़ी सी जल्दी है तो अभी टिकट बुक करो भूल चुक माफ की.

Sport अम्बिकावाणी 07

रायपुर, शनिवार 14 जून , 2025

एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम की लगातार चौथी हार, अर्जेंटीना ने 2-1 से हराया

नई दिल्ली,13 जून। भारत को मौजूदा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा, जब अर्जेंटीना के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी. भारत को पेनल्टी के रूप में स्कोर बराबर करने की उम्मीद मिली. हालांकि, गोल को अस्वीकार कर दिया गया और जुगराज सिंह के पास एक और मौका था, लेकिन वह चूक गए. पेनल्टी कॉर्नर के जरिए टॉमस डोमेने के दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने दो दिनों में दो जीत दर्ज की और अपने अंकों की संख्या 18 पर पहुंचा दी.

हार्दिक सिंह ने खेल शुरू होने के सिर्फ 4 मिनट बाद ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत को बढ़त दिला दी. हालांकि, डोमेने ने अपने पेनल्टी कॉर्नर पर निशाना साधा और दोनों मौकों को गोल में बदल दिया. भारत के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को पहले 10 मिनट में तीन बार एक्शन में लाया गया, जबकि अर्जेंटीना की टीम ने तीसरे प्रयास में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया. अर्जेंटीना ने अपने खेल में अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बेहतर बॉल पोजेशन के साथ भारत पर दबाव बनाया.

भारत दूसरे क्वार्टर में आक्रामक था और उसने अर्जेंटीना के गोलकीपर टॉमस सैंटियागो को कई बार चुनौती दी. तीसरा क्वार्टर भी दूसरे क्वार्टर की तरह गोल रहित रहा और दोनों टीमों ने सतर्कता बरती. चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई, लेकिन डोमेने ने अर्जेंटीना के लिए पीसी को गोल में बदल दिया और यह निर्णायक साबित हुआ.

हार के साथ, भारत अंक तालिका में इंग्लैंड और बेल्जियम से नीचे 5वें स्थान पर खिसक गया. अर्जेंटीना रैंकिंग में दो पायदान ऊपर उठकर प्वाइंट्स में दूसरे स्थान पर पहुंच गया. भारत अब 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए बेल्जियम के एंटवर्प की यात्रा करेगा, जो अंक तालिका के निचले आधे हिस्से में है.

छोटी खबरें

इंग्लैंड सीरीज से पहले भारत को लगा बड़ा झटका, टीम इंडिया को छोड़कर वापस लौटे गौतम गंभीर

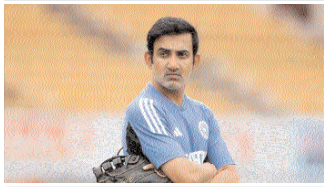

नई दिल्ली,13 जून। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड से भारत लौट आए हैं. उनके भारत आने की वजह पारिवारिक कारण बताए जा रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो गंभीर की मां को हार्ट अटैक आया जिसके चलते उन्हें शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड में ही छोड़कर वापस आना पड़ा है.

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने वाला है. उससे पहले ये भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों को बड़ा झटका है. रिपोर्ट्स के अनुसार, गौतम गंभीर की मां को दिल का दौरा पड़ा है और वो अस्पताल में भर्ती हैं. दिल्ली में आईसीयू में उनका उपचार किया जा रहा है. अभी गंभीर या बीसीसीआई की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है.

गौतम गंभीर को जुलाई 2024 में तीनों फॉर्मेट में भारतीय क्रिकेट टीम का कोच बनाया गया. उनके नेतृत्व में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज 3-0 से गंवाई. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से हारा था. ये गौतम गंभीर की बतौर कोच गंभीर की चौथी टेस्ट सीरीज हैं.

गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के साथ इंग्लैंड सीरीज में नजर आने वाले हैं. गंभीर के भारत लौटने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम आज से बेकेनहैम में अपना इंट्रा स्क्वाड मैच शुरू करेगी.ये मैच चार दिवसीय मैच होगा.

एयर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद एविएशन शेयरों में भूचाल

0-इंडिगो-स्पाइसजेट के शेयर टूटे, बोइंग भी 7 प्रतिशत लुढ़का

मुंबई,13 जून। अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद गुरुवार को शेयर बाजार में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली. विमान, बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर, 242 लोगों को लेकर लंदन के गैटविक एयरपोर्ट जा रहा था. जब सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मेघानीनगर इलाके के पास यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

विमान के निर्माता बोइंग के शेयरों में दुर्घटना की खबर आने के बाद प्रीमार्केट यूएस ट्रेडिंग में 7.8 फीसदी की गिरावट आई और यह 197.3 डॉलर पर आ गया. बोइंग ने कहा कि हमें शुरूआती रिपोर्ट्स के बारे में पता है और हम और जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं.

आज भारत में भी विमानन से जुड़े शेयर भी दबाव में रहे. इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) 3.31 फीसदी गिरकर 5,446.35 रुपये पर आ गया, जबकि स्पाइसजेट 2.40 फीसदी गिरकर 44.40 रुपये पर आ गया. सुरक्षा, संभावित विनियामक जांच और विमानन क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव को लेकर निवेशकों की चिंताओं के कारण यह बिकवाली हुई.

अहमदाबाद एयरपोर्ट का प्रबंधन करने वाली अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों में भी गिरावट देखी गई, जहां यह दुर्घटना हुई थी. शेयर 1.89 फीसदी गिरकर 2,532.25 रुपये पर बंद हुआ. इस दुर्घटना ने एयरपोर्ट सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया तैयारियों पर ध्यान केंद्रित कर दिया है.

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घटना की पुष्टि की और कहा कि मामले की पूरी जांच की जा रही है. डीजीसीए के अनुसार, एयर इंडिया के संचालित विमान ने भारतीय समयानुसार दोपहर 1:39 बजे उड़ान भरी और उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में खराबी की सूचना दी गई. हालांकि, इसका संपर्क हवाई यातायात नियंत्रण से टूट गया और हवाई अड्डे की परिधि के ठीक बाहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

राहत भरी खबर...6 साल बाद निचले स्तर पर आई खुदरा महंगाई दर

नई दिल्ली,13 जून। भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई मई 2025 में अप्रैल में 3.16 फीसदी से घटकर 2.82 फीसदी हो गई, जो फरवरी 2019 के बाद से सबसे कम महंगाई है. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आंकड़ों को जारी किया है.खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और दालों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट के बीच यह नरमी आई है. और भारतीय परिवारों के लिए जीवन-यापन की लागत में कमी आने का संकेत है.

महंगाई दर में अप्रत्याशित गिरावट आई है, जो महीने-दर-महीने 34 आधार अंक मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति के कारण है, जो अक्टूबर 2021 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर, केवल 0.99 फीसदी पर आ गई.

मुख्य खाद्य पदार्थों में, सब्जियों की कीमतों में साल-दर-साल 13.70 फीसदी की गिरावट आई, जबकि दालों में 8.22 फीसदी की गिरावट आई, और अनाज की कीमतों में भी कमी आई. फ्यूल और प्रकाश श्रेणी में महंगाई में कमी आई और यह 2.78 फीसदी पर आ गई, जिससे ऊर्जा लागत में गिरावट का रुझान जारी रहा.

आवास महंगाई थोड़ी बढ़कर 3.16 फीसदी हो गई, लेकिन शिक्षा (4.12 फीसदी), स्वास्थ्य सेवा (4.34 फीसदी) और परिवहन (3.85 फीसदी) स्थिर रहे, जिससे आवश्यक सेवा क्षेत्रों में दबाव जारी रहा. हालांकि, खाद्य और ऊर्जा में तेज गिरावट के कारण समग्र सीपीआई में उनका योगदान सीमित रहा.

मई में घटकर 2.59 फीसदी रह गई, जो अप्रैल में 2.92 फीसदी थी, जबकि शहरी महंगाई घटकर 3.07 फीसदी रह गई, जो 3.36 फीसदी थी. ग्रामीण खाद्य महंगाई घटकर 0.95 फीसदी रह गई, जो शहरी महंगाई के 0.96 फीसदी से काफी मेल खाती है.

ईरान पर इजरायली हमले के बाद सेंसेक्स ने लगाया गोता, निफ्टी भी लुढ़का

मुंबई,13 जून। ईरान पर इजराइल के हमले के शेयर मार्केट में गिरावट दिखी है. बाजार खुलने के बाद सेंसेक्स 850 अंक नीचे रहा. वहीं निफ्टी भी गिरकर 24,650 अंक तक चला गया. वहीं भारत वीआईएक्स के शेयरों में तगड़ा उछाल आया. इसमें 10 फीसदी की तेजी देखी गई. आज के मार्केट पर नजर दौड़ाएं तो सुबह 9:25 बजे सेंसेक्स 925.51 अंक नीचे था. यह 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,766.47 पर था. वहीं निफ्टी 284.55 अंक नीचे यानी 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,603.65 पर था.

इजरायल-ईरान युद्ध के चलते पब्लिक सेक्टर के बैंक, स्मॉलकैप 100 और निफ्टी ऑटो में भारी गिरावट दर्ज की गई. एकतरफ पीएसयू बैंकों में 1.60 प्रतिशत की गिरावट रही. स्मॉलकैप 100 के स्टॉक्स में 1.53 फीसदी की गिरावट और निफ्टी ऑटो सेक्टर में शेयर के भाव 1.49 प्रतिशत लुढ़क गए.

13 जून शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स तेजी से नीचे खुले. इस तरह से लगातार दूसरे सत्र में गिरावट बनी रही. शेयर बाजार मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव की वजह से नीचे खुला. इसकी वजह से निवेशकों में भारी बेचैनी देखी गई. ईरान की राजधानी तेहरान पर सुबह-सुबह इजरायली हमले ने व्यापक संघर्ष को बढ़ा दिया है. इसका असर ग्लोबल शेयरों के साथ ही भारतीय बाजारों पर पड़ा. इस उथल-पुथल से घरेलू इक्विटी पर भारी असर पड़ा.

ईरान की राजधानी तेहरान पर इजरायली हमले का असर ये हुआ कि कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो गई. इस तरह से सप्ताह में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई. इस तरह से देखा जाए तो ये 2022 के बाद से उनका सबसे बड़ा साप्ताहिक लाभ है. यह उछाल मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव की वजह से आया है. गौर करें तो इससे पहले जेपी मॉर्गन ने सप्ताह की शुरूआत में चॉर्निंग दी थी कि सबसे खराब स्थिति में तेल 130 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है.

व्यापार/फिल्म

मांगटीका खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

मांगटीका एक ऐसा गहना है, जो महिलाओं के सिर पर लगती है और यह पारंपरिक भारतीय कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है। हालांकि, सही मांगटीका चुनना आसान नहीं होता है। सही मांगटीका चुनने के लिए आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए ताकि यह न केवल आपके चेहरे पर जचे, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाए।

आइए जानते हैं कि मांगटीका खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

चेहरे के आकार का ध्यान रखें

मांगटीका खरीदते समय अपने चेहरे के आकार का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अगर आपका चेहरा गोल है तो लंबी और पतले डिजाइन वाला मांगटीके चुनें। ये आपके चेहरे को लंबा दिखाने में मदद करेंगे, वहीं अगर आपका चेहरा लंबा है तो चौड़ी और भारी डिजाइन वाले मांगटीके चुन सकते हैं।

इसके अलावा अगर आपका चेहरा अंडाकार है तो किसी भी तरह की डिजाइन चुन सकते हैं, लेकिन छोटी और मध्यम आकार की मांगटीके बेहतर रहेंगी।

पारंपरिक या आधुनिक, अपनी पसंद चुनें

मांगटीका खरीदते समय आपको यह तय करना होगा कि आपको पारंपरिक डिजाइन पसंद है या आधुनिक।

पारंपरिक मांगटीके अक्सर जरी की कारीगरी और रत्नों से सजाए जाते हैं, जबकि आधुनिक मांगटीके सरल और हल्के होते हैं।

अगर आप पारंपरिक कपड़ों के साथ इसे पहनने जा रही हैं तो पारंपरिक मांगटीका चुनें, वहीं अगर आप पश्चिमी कपड़ों के साथ इसे पहनना चाहती हैं तो आधुनिक डिजाइन वाला मांगटीका बेहतर रहेगा।

रंगों का चयन सोच-समझकर करें

मांगटीका खरीदते समय रंगों का चयन भी अहम होता है। गोल्ड प्लेटिंग, ऑक्सीडाइज, स्टोन या मोती आदि कई तरह के विकल्प उपलब्ध होते हैं।

अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा है तो गोल्ड प्लेटिंग या स्टोन मांगटीका चुनें क्योंकि ये आपकी त्वचा का निखार बढ़ाएंगे, वहीं अगर आपकी त्वचा का रंग हल्का है तो ऑक्सीजाइज या मोती रंग बेहतर रहेगा।

इसके अलावा अपने कपड़ों के रंगों के साथ मेल खाते हुए रंग भी चुन सकती हैं।

आकार पर दें ध्यान

मांगटीका का आकार भी महत्वपूर्ण होता है। आजकल बाजार में अलग-अलग आकार के मांगटीके उपलब्ध होते हैं जैसे कि फूल, चंद्रमा, सितारे आदि।

अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में इसे पहनने जा रही हैं तो छोटे आकार वाले मांगटीके चुनें जो आरामदायक हों और हर मौके पर पहने जा सकें, वहीं खास मौकों पर बड़े और भव्य डिजाइन वाले मांगटीके अच्छे लगते हैं।

इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही मांगटीका चुन सकती हैं।

बजट बनाएं

मांगटीका खरीदने से पहले अपना बजट तय कर लें ताकि आप बिना किसी तनाव के सही विकल्प चुन सकें।

बाजार में महंगे और सस्ते दोनों प्रकार के मांगटीके मिलते हैं इसलिए अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें।

इस तरह इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए एक सुंदर और उपयुक्त मांगटीका चुन सकती हैं जो आपके पूरे लुक को खास बनाएगा।

बर्खा सिंह की लफंगे और क्रिमिनल जस्टिस 4 हपते की टॉप 5 ओरिजिनल सीरीज में शामिल

अपनी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण के दम पर ओटीटी की दुनिया में एक मजबूत पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस बर्खा सिंह इन दिनों सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अपने दमदार अभिनय और लगातार शानदार परफॉर्मेंस के चलते उन्होंने न केवल दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि इंडस्ट्री में भी अपनी अलग जगह बनाई है।

बर्खा सिंह के लिए यह हफ्ता एक और गर्व का मौका लेकर आया है। उनकी दो नई वेब सीरीज 'लफंगेइ और 'क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटरइ ऑरमैक्स मीडिया की ओटीटी व्यूअरशिप रेटिंग्स के अनुसार इस हफ्ते भारत की टॉप 5 सबसे ज्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल सीरीज में शामिल हो गई हैं।

इस खुशी के मौके पर बर्खा ने अपने सोशल मीडिया पर फैन्स और दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने लिखा,

2 रिलीज एक साथ और दोनों टॉप चार्ट्स में! मेरी शुक्रगुजारी सातवें आसमान पर है!

'लफंगेइ एक कमिंग-ऑफ-एज ड्रामा है, जो तीन दोस्तों की दोस्ती, संघर्ष, और जिंदगी की उलझनों को खूबसूरती से दर्शाता है।

गाय की ये 5 प्रजातियां हैं सबसे ज्यादा प्रसिद्ध, जानिए इनके बारे में

दूध देने वाली गाय की कई प्रजातियां होती हैं, जो अपने दूध उत्पादन और खासियत के लिए जानी जाती हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां अन्य की तुलना में अधिक लोकप्रिय हैं। इन प्रजातियों का चयन उनकी दूध देने की क्षमता, स्वास्थ्य, और पर्यावरण के अनुकूलता के आधार पर किया जाता है।

आइए कुछ ऐसी ही प्रमुख गाय प्रजातियों के बारे में जानते हैं, जो दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं।

होल्स्टीन फ्रिजियन गाय काले और सफेद रंग की होती हैं। यह प्रजाति दूध उत्पादन के लिए जानी जाती है और इनका पालन ज्यादातर डेयरी फार्म में किया जाता है।

ये गायें अन्य प्रजातियों की तुलना में अधिक दूध देती हैं, जिससे इन्हें विश्वभर में सबसे अधिक पसंद किया जाता है।

इनकी देखभाल और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि इनका स्वास्थ्य अच्छा रहे और ये अधिकतम दूध उत्पादन कर सकें।

शॉर्टहॉर्न गाय

शॉर्टहॉर्न गाय इंग्लैंड की मूल प्रजाति होती हैं, जो अपने हल्के भूरे रंग और हल्के शरीर के लिए जानी जाती हैं।

ये ज्यादा दूध देने वाली गायों में शामिल होती हैं और इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है।

इनका दूध उत्पादन औसतन 6,500 लीटर प्रति वर्ष होता है। इनकी ज्यादा दूध देने की क्षमता इन्हें अन्य गायों से अलग बनाती है और इन्हें दूध उद्योग में पसंद किया जाता है।

ब्राउन स्विस गाय

ब्राउन स्विस गाय स्विट्जरलैंड से आई एक दुग्धीय प्रजाति है, जिनका पालन मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है।

इनका दूध अच्छी गुणवत्ता वाला होता है, जिसे बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। ब्राउन स्विस गायें ठंडी जलवायु में अच्छी तरह से पनपती हैं और इनका पालन अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों में किया जा सकता है।

इनकी मांग बाजार में बहुत अच्छी है, जिससे ये किसानों के लिए फायदेमंद होती हैं।

जर्सी गाय

जर्सी गाय इंग्लैंड से आई एक दुग्धीय प्रजाति है, जिनका पालन मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए किया जाता है।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

बी.एड. (विभागीय) प्रशिक्षण के लिए अनंतिम चयन एवं प्रतीक्षा सूची जारी

20 जून तक कर सकते है दावा-आपत्ति

रायपुर। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर द्वारा बी.एड. (विभागीय) सत्र 2025-27 हेतु अनंतिम चयन सूची एवं अनंतिम प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। यह सूची महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट सीटीईरायपुर डॉट ओआरजी एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की वेबसाइट एससीईआरटी डॉट सीजी जीओवी डॉट इन पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी दिनांक 12 जून 2025 से 20 जून 2025 तक चयन सूची व प्रतीक्षा सूची के संबंध में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी प्रकार के दावे-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी। दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर, रायपुर के कक्ष क्रमांक 07 में प्रवेश प्रभारी के समक्ष कार्यालयीन समय में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रदेश के निर्माण श्रमिक और उनके परिवारों के लिए 18.89 करोड़ की सौगात

00 मुख्यमंत्री साय श्रम विभाग के विभिन्न योजनाओं के तहत 15 जून को हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित करेंगे
00 31 मेधावी बच्चे को दोपहिया वाहन के लिए मिलेगा 31 लाख रूपए

रायपुर। राज्य सरकार प्रदेश के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 36,666 निर्माण श्रमिकों के लिए 18.89 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन 15 जून राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में दोपहर 12 बजे आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों के खातों में के माध्यम से राशि अतंरित करेंगे। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में कक्षा 10वीं के 26 और कक्षा 12वीं के 5 बच्चों सहित कुल 31 श्रमिकों के मेधावी बच्चों को 2 लाख रुपये प्रति बच्चें दिए जाएंगे। इस राशि में 1 लाख रुपये दोपहिया वाहन खरीदने के लिए और 1 लाख रुपये नकद प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 1,915 श्रमिकों को 3.83 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। वहीं मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना से 279 श्रमिकों को 10.33 लाख रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना से 6,319 श्रमिकों को 2.19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलेगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत 12 श्रमिकों को 94,800 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से 4,825 बच्चों को 96.17 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीघार्यु सहायता योजना से 2 श्रमिकों को 40,000 रुपये की सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना से 4,939 श्रमिकों को 74 लाख रुपये से अधिक के सुरक्षा उपकरण दिए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना के तहत 1 बच्चे को 50,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से 7 श्रमिकों को 7 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से 264 श्रमिकों के परिवारों को 2.64 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से 2,486 श्रमिकों को 4.97 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा।

इसी तरह मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 372 श्रमिकों को 74.40 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशी योजना से 15,066 बच्चों को 2.00 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना से 25 श्रमिकों को 25 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार की श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने ये योजनाएं निश्चित रूप से राज्य के निर्माण श्रमिकों के लिए एक उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करेंगी।

न्यूज गैलरी

आबकारी घोटाला मामले में ईडी ने लखमा व पुत्र की संपत्ति व सुकमा के कांग्रेस भवन को किया अटैच

रायपुर। आबकारी घोटाला मामले में शुक्रवार को ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की 6 करोड़ की संपत्ति व सुकमा के कांग्रेस भवन को अटैच कर दिया है। इनमें कवासी लखमा की धरमपुरा स्थित मकान के अलावा उनके पुत्र हरीश लखमा की सुकमा की प्रापर्टी भी शामिल है। करीब 22 सौ करोड़ के आबकारी घोटाला मामले में ईडी इस समय जांच कर रही है और शुक्रवार को ईडी ने जांच-पड़ताल के बाद कवासी लखमा की सुकमा और अन्य जगहों पर करीब 6 करोड़ की संपत्ति अटैच कर दी है। इनमें कवासी लखमा की धरमपुरा स्थित मकान के अलावा उनके पुत्र हरीश लखमा की सुकमा की प्रापर्टी भी शामिल है। इसके साथ ही ईडी ने सुकमा के कांग्रेस भवन को भी अटैच कर दिया है। जांच एजेंसी ने कवासी और अन्य लोगों से पूछताछ के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि सुकमा के कांग्रेस भवन बनाने में आबकारी घोटाले का पैसा इस्तेमाल किया गया है। इसको लेकर कुछ वाट्सऐप चैट भी मिले हैं। ईडी ने इस मामले में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू से भी पूछताछ की थी।

शहीद एएसपी आकाश राव केस की जांच करेगी एसआईए

रायपुर। सोमवार 9 जून को सुकमा जिले के कोंटा में आईईडी ब्लास्ट में शहीद एएसपी आकाश राव के की जांच स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) करेगी। गृह विभाग ने जांच के आदेश जारी कर दिए है। डीजीपी अरूण देव गौतम और एस आई ए डायरेक्टर अंकित गर्ग ने जांच टीम को विशेष निर्देश दिए। जांच टीम में एसपी समेत 6 पुलिसकर्मी शामिल किए गए हैं। जल्द ही टीम सुकमा के कोंटा पहुंचकर घटना की जांच करेगी।

जारी आदेश के मुताबिक 10.06.2025 को थाना कोन्टा, जिला सुकमा में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 21/2025 घारा 103, 109, 191(2), 191(3), 190, 61(2) भारतीय न्याय संहिता, 25, 27 आयुध अधिनियम, 03, 05 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 13, 16, 18, 20, 23 विधि विरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1967 के प्रकरण की गंभीरता एवं अन्तर्राज्यीय लिंकेजेस से संबंधित होने से छत्तीसगढ़ शासन के आदेश क्रमांक एफ 3-110/2023/गृह-2 दिनांक 14.02.2024 में दी गई शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त प्रकरण को अग्रिम विवेचना एवं कार्यवाही हेतु राज्य जाँच एजेंसी, पुलिस मुख्यालय रायपुर को सौंपा जाता है।

अकलतरी गांव में फैला डायरिया का प्रकोप, 20 में से चार की मौत

जांजगीर-चांपा। अकलतरा विकासखंड के ग्राम अकलतरी में दूषित पानी पीने की वजह से डायरिया का प्रकोप फैला हुआ है जहां 20 से अधिक लोग पीड़ित हो गए जिनमें से चार की मौत हो गई है। जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैंप लगाकर मरीजों का प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया है। वहीं गंभीर मरीजों को अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। इस मामले में प्रशासन ने दूषित पानी से डायरिया फैलने की आशंका जताई है और पानी की जांच के लिए सैंपल भेज दिया गया है। घरों में ओआरएस घोल के पैकेट और दवाइयां बांटी गई है। वहीं दूसरी ओर एक गंभीर मरीज को अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

कोटरी नदी पर बने एनीकट का गेट सड़ जाने से नदी पूरी तरह से सूख गई

कांकेर। जिले के दुर्गकोंदल ब्लॉक के कोटरी नदी पर सिंचाई विभाग द्वारा बनाया गया एनीकट का गेट सड़ गया है, जिससे पूरा पानी रिसकर खाली हो चुका है। गेट के सड़ जाने से करोड़ों की लागत से बनाया गया एनीकट किसी काम का नहीं रह गया है, जिसके परिणाम स्वरूप एनीकट एवं नदी पूरी तरह सूख गई है, जिससे एनीकट के आस-पास के किसानों एवं ग्रामीणों के निस्तार के उपयोग के लिए पानी समस्या हो रही है।

किसान मनीष कुमेटी, दारशु जाड़े, मोती बढाई, जीवन रावटे, मिश्री आरदे, पलटन जैन, मांहगी जैन, अजीत जैन, नारायण पटेल, संतु चनाप, पंचायत सुरुंगदोह के पूर्व सरपंच नामदेव मरकाम का खेत एनीकट से लगा हुआ है। उक्त किसानों ने बताया कि एनीकट में पानी भरे होने से गांव का जल स्तर भी बना हुआ था, लेकिन एनीकट का गेट सड़ जाने से नदी का पानी पूरी तरह बह गया है। इससे वे ग्रीष्मकालीन फसल नहीं ले पाए। किसानों ने स्टॉपडैम के गेट की मरम्मत करने की मांग की है।

कचरे से कमाई की राहः रायपुर में बनेगा आधुनिक बायोगैस संयंत्र

00 हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भरता की ओर छत्तीसगढ़ का कदम, 00 कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट के लिए त्रिपक्षीय समझौता

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सतत और पर्यावरण हितैषी नीति को गति देते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस दिशा में आज रायपुर नगर पालिक निगम, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के मध्य त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह एग्रीमेंट सतत योजना (सस्ती परिवहन के लिए सतत और स्थायी विकल्प) के तहत नगरीय ठोस अपशिष्ट से कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन हेतु किया गया है।

यह एग्रीमेंट छत्तीसगढ़ राज्य में सतत ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास को प्राथमिकता दे रही है। सतत योजना के तहत कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना न केवल अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक होगी, बल्कि रोजगार और हरित अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगी। ग्राम रांवाभाटा, रायपुर में प्रस्तावित संयंत्र 100.150 टन प्रतिदिन डैं संसाधित कर बायोगैस का उत्पादन करेगा। इसमें शत-प्रतिशत निवेश भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिसकी लागत लगभग 100 करोड़ रुपए की होगी। संयंत्र के माध्यम से रायपुर सहित आसपास के नगरीय निकायों से लगभग 150 टन प्रतिदिन ठोस अपशिष्ट का उपयोग किया जाएगा।

इस संयंत्र से जुड़ी प्रमुख विशेषताएं रोजगार सृजन - संयंत्र के संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 30 हजार मानव दिवस प्रति वर्ष रोजगार सृजित होंगे। पर्यावरणीय लाभ संयंत्र के संचालन से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी तथा राज्य छमर्ज मतव म्उपेपवद लक्ष्य की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ेगा। आय और राजस्व पूर्ण क्षमता पर कार्यरत संयंत्र से राज्य को प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ रुपए का जीएसटी प्राप्त होगा। जैविक खेती को बढ़ावा संयंत्र से सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त जैविक खाद का उपयोग जैविक कृषि को प्रोत्साहन देगा। इससे पूर्व 2024 में भिलाई नगर पालिक निगम के साथ त्रिपक्षीय समझौता हो चुका है और 2025 में अंबिकापुर, रायगढ़, कोरबा, राजनांदगांव धमतरी एवं बिलासपुर में कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र हेतु एमओयू निष्पादित किया गया है। आज हुए एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में रायपुर कलेक्टर श्री गौरव कुमार, सीबीडीए के सीईओ श्री सुमित सरकार, बीपीसीएल बायोफ्यूल्स प्रमुख श्री अनिल कुमार पी, नगर निगम रायपुर कमिश्नर श्री विश्वदीप समेत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सीबीडीए के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता, लापरवाही बरतने के कारण मुण्डागांव ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

जगदलपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बस्तर श्री प्रतीक जैन द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता, लापरवाही बरतने के कारण मुण्डागांव ग्राम पंचायत सचिव श्री जोगेन्द्र पाण्डे को निलंबित किया गया है। मुख्यमंत्री जन शिकायत पोर्टल में ऑनलाईन शिकायत पर जिला पंचायत के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बस्तर को जांच दल गठित कर शिकायत की जाँच कराई गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, बस्तर से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के अनुसार जांच में 15वें वित्त आयोग (ग्राम पंचायत मद) अंतर्गत कराये गये कार्य हेतु राशि रुपए 93,46,952 मात्र का आहरण किया जाना पाया गया।

उक्त राशि में से राशि रुपए 60,77,417 का मूल्यांकन एवं व्हाऊचर्स प्रस्तुत किया गया तथा रुपए 32,69,535 का मुल्याकन एवं व्हाऊचर्स प्रस्तुत नहीं किये जाने व प्रगतिरत कार्यो का मुल्यांकन नहीं होने, जनपद पंचायत बस्तर द्वारा ग्राम पंचायत, मुण्डागांव को अन्य मदों से 10 कार्यो के लिये राशि रुपए 13लाख 08 हजार जारी की गई है, इसी प्रकार ग्राम पंचायत गुनपुर में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जनपद पंचायत से कुल 07 कार्यो की स्वीकृति प्रदान करते हुए 07लाख,40 हजार जारी की गई थी। किन्तु मुण्डागांव ग्राम पंचायत सचिव श्री जोगेन्द्र पाण्डे को साप्ताहिक समीक्षा बैठकों में कार्य पूर्ण करने हेतु लगातार निर्देशित किये जाने के बाद भी उक्त कार्यो को पूर्ण कराये जाने हेतु कोई गंभीरता नहीं दिखाने के फलस्वरूप जोगेन्द्र पाण्डे को उच्चाधिकारी के आदेश-निदेर्शो की अवहेलना, अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता,लापरवाही बरतने तथा छत्तीसगढ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 72 के तहत ग्राम पंचायत सचिव के विहित कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन नहीं करने के कारण जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन द्वारा ग्राम सचिव जोगेन्द्र पाण्डे को छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के नियम 4 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में श्री जोगेन्द्र पाण्डे का मुख्यालय कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, बस्तर निर्धारित किया गया है। साथ ही निलंबन अवधि में छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील), नियम, 1999 के नियम, 13 के तहत नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

सीमा की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य - डेका

00 राज्यपाल बिहार के दरभंगा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हुए शामिल

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका गत दिवस बिहार राज्य के दरभंगा में राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ द्वारा सीमा सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जिसकी सीमाएँ हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर हिंद महासागर की गहराइयों तक फैली हुई हैं। सीमा की सुरक्षा केवल सैनिकों और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीमा की रक्षा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का आधार है। सीमा की सुरक्षा, देश की आंतरिक और बाह्य स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह न केवल बाहरी खतरों जैसे आतंकवाद, घुसपैठ और तस्करी से रक्षा करती है, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित करती है। भारत की सीमाएँ, पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती हैं, और प्रत्येक सीमा की अपनी अनूठी चुनौतियाँ हैं।

डेका ने कहा कि हमारे सैनिक, प्राणों की बाजी लगाकर सीमा की सुरक्षा करते हैं लेकिन उनकी यह जिम्मेदारी तब और प्रभावी होती है, जब समाज और नागरिक उनका साथ देते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और स्थानीय प्रशासन या सुरक्षा बलों को सूचित कर सकते हैं। असामान्य गतिविधियों, जैसे तस्करी या घुसपैठ, की जानकारी देना, देश की सुरक्षा को मजबूत करता है। आज के युग में सीमा सुरक्षा में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, और स्मार्ट फेंसिंग जैसे उपकरण सीमा पर निगरानी को और प्रभावी बना रहे हैं। डेका ने कहा कि नागरिक के रूप में, हम तकनीकी नवाचारों को समर्थन दे सकते हैं और सरकार के डिजिटल सुरक्षा प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर संविधान हत्या दिवस प्रासंगिक क्यों व आपातकाल विस्मृत ना हो विषय पर होगी निबंध प्रतियोगिता

रायपुर। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानी संघ के सहयोगी संगठन लोकतंत्र प्रहरी, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के महाविद्यालयीन छात्रों हेतु" 25 जून "संविधान हत्या दिवस प्रासंगिक क्यों?" इस विषय पर एवं विद्यालयीन विद्यार्थियों हेतु "आपातकाल विस्मृत ना हो।"इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद व लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को अपने महाविद्यालय व विद्यालय के प्राचार्य के सहमति पत्र प्रस्तुत करने होंगे तथा निबंध प्रतियोगिता 30 जून 25 तक आयोजित होगी। 30 जून तक सभी प्रतियोगी अपने निबंध प्रदेश कार्यालय "उपासने निवास" प्रोफेसर कॉलोनी, सेक्टर 3, सड़क 3, वामन राव लाखे वार्ड क्रमांक 66 के पते पर अग्रेषित कर सकते है। दोनों स्तरों पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले विद्यार्थी विजेताओं को क्रमशः 31 हजार हजार 21 हजार व 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा तथा अन्य भाव युक्त निबंधों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

बैठक में लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी आपातकाल की वर्षगांठ पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आमंत्रण पर उनके निवास पर 26 जून को प्रदेश के लोकतंत्र सेनानी परिवारों, सद्धत्याग्रहियों को सम्मानित किया जाएगा।इस आयोजन में लोकतंत्र प्रहरी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित प्रदेश सरकार के समस्त मंत्री गण व निगम आयोग के अध्यक्षों सहित भाजपा के पदाधिकरियों की गरिमामय उपस्थिति में "आपातकाल के 50 वर्ष" एवं "संविधान हत्या दिवस" पर ओजस्वी वक्ताओं के द्वारा विचार व्यक्त किए जाएंगे तथा आमंत्रित अतिथि लोकतंत्र सेनानियों के साथ भोजन भी ग्रहण करेंगे।

1.100 किलोग्राम गांजे की बिक्री से कमाए 13,500 के साथ राजकुमार गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में गांजा तस्करी मामला एक ओर थम नहीं रहा है वहीं दूसरी ओर पुलिस भी रोजाना गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में कामयाब हो रही है। ताजा मामले में गुढियारी थाना क्षेत्रांतर्गत गोंदवारा ओव्हर ब्रीज के नीच से 1.100 किलोग्राम गांजे की बिक्री से कमाए 13,500 के साथ राजकुमार कोसरिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गुढियारी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबीर द्वारा बताये हुलिए के व्यक्ति को चिन्हांकित कर गोंदवारा ओव्हर ब्रीज के नीचे अपने पास बैग में गांजा को बिक्री कर रहा था कि पुलिस वहां पहुंच गई और उसे पकड़ा लिया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम राजकुमार कोसरिया निवासी अशोक नगर बाजार पारा दुर्गा मंदिर के पास गुढियारी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में 1.100 किलोग्राम गांजा एवं बिक्री रकम 13,500 रुपए जुमला कीमती लगभग 25,000 रुपए को जप्त कर क्रमांक 300/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

सहायक शिक्षक (विज्ञान प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन के लिए 17 जून से रायपुर में शुरू होगी काउंसिलिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 2025 को जारी आदेश क्रमांक एफ 2-19/2024/20-तीन के तहत सेवा से समाप्त किए गए बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

इस निर्णय के तहत समायोजन की प्रक्रिया ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से की जाएगी, जो दिनांक 17 जून 2025 से 26 जून 2025 तक प्रतिदिन शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर, रायपुर में आयोजित की जाएगी। कुल 2621 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में सम्मिलित किया गया है। इन अभ्यर्थियों के समायोजन हेतु राज्य के 29 जिलों के स्कूलों में 2621 रिक्त पद निर्धारित किए गए हैं। काउंसिलिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली में 150 एवं द्वितीय पाली में 150 अर्थात प्रतिदिन कुल 300 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों सहित काउंसिलिंग स्थल पर उपस्थित रहें।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com